Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 48
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
बुधवार,17 सितम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 एसजीपीजीआई का 29वां दीक्षांत समारोह,राज्यपाल ने 4 इतिहास का विराट व्यक्तित्व, जिसने बदल दिया राष्ट्र 5 अमाल मलिक पर भड़कीं गौहर खान, कुनिका का

शिक्षकों के अनुभव पर योगी सरकार का जोर

टीईटी अनिवार्यता के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया कि वह सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य बनाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के शिक्षक अनुभवी हैं और उन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण भी दिया गया है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पर माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश का रिवीजन दाखिल करने का विभाग को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। पिछले पाँच दिनों में, उत्तर प्रदेश में दो शिक्षकों–जो चालीस और पचास के दशक के अंत में थे–ने आत्महत्या कर ली है। कथित तौर पर वे सर्वोच्च न्यायालय के आदेश द्वारा अनिवार्य की गई शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करने के दबाव का सामना नहीं कर पाए। उनके परिवारों का आरोप है कि वे शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की तैयारी को लेकर तनाव में थे। 1 सितंबर, 2025 को, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने फैसला सुनाया कि पाँच साल से अधिक की सेवा शेष रहने वाले सभी सरकारी स्कूल शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करना होगा अन्यथा उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति या त्यागपत्र का सामना करना पड़ेगा। यह आदेश तमिलनाडु और महाराष्ट्र में शिक्षकों की नियुक्तियों से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया था, लेकिन इसका अखिल भारतीय प्रभाव है, जिससे लगभग 10 लाख शिक्षक प्रभावित हैं–जिनमें से लगभग दो लाख अकेले उत्तर प्रदेश में हैं।

दून में भारी बारिश का रेड अलर्ट, सभी स्कूल बंद, प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने पहुंचे सीएम

देहरादून (एजेंसी)। राजधानी दून में भारी बारिश के बीच सभी स्कूल बंद रखने के आदेश जारी किए गए। वहीं सीएम धामी प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं। मौसम विज्ञान विभाग और एनडीएमपी के अलर्ट के बाद देहरादून जिले में आज भारी से बहुत भारी बारिश, गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई। इसके चलते जिला प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी किया है। देर रात राजधानी देहरादून के सहस्त्रधारा में बादल फटने से भारी तबाही मची है। इसे देखते हुए दून में सभी स्कूलों को बंद रखने के आदेश दिए हैं। जिला प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से सभी शासकीय, गैर शासकीय और निजी स्कूलों सहित आंगनबाड़ी केंद्रों में आज अवकाश घोषित कर दिया है। हालांकि यह आदेश केवल छात्रों के लिए होगा, जबकि शिक्षक और कर्मचारी सामान्य रूप से स्कूल आएंगे। प्रशासन ने सभी विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। दूसरी तरफ घटना की जानकारी मिलते ही सीएम धामी मोर्चे पर डट गए। प्रभावित क्षेत्रों को स्थलीय निरक्षण कर रहे हैं।

कैंब्रिज स्कूल को मिली उड़ाने की धमकी... बाथरूम में बम होने का आया मेल

महाराष्ट्र (एजेंसी): देश के कई हिस्सों में बम धमकी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। अब नासिक के इंदिरा नगर में स्थित कैंब्रिज स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूल को एक ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया कि स्कूल के बाथरूम में बम रखा गया है। धमकी भरे मेल की सूचना मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की। सभी छात्रों को कक्षाओं से बाहर निकालकर स्कूल परिसर के बीच में एकत्र किया गया। इसके बाद अभिभावकों को फोन कर बच्चों को घर ले जाने के लिए सूचित किया गया। इस घटना से माता-पिता में भी घबराहट फैल गई। बम निरोधक दस्ते ने स्कूल की तलाशी ली इंदिरा नगर पुलिस को जैसे ही इस धमकी की खबर मिली, बम निरोधक दस्ता तुरंत स्कूल पहुंचा। पुलिस और बम स्क्वॉड ने पूरे स्कूल परिसर की गहन जांच की और पाया कि यह धमकी महज एक अफवाह थी। धमकी के पीछे का सच तलाश रही पुलिस इस धमकी के पीछे किसका हाथ है? पुलिस इन सभी सवालों के जवाब खोजने में जुट गई है।

भारत-मॉरीशस संबंध होंगे और मजबूत : राष्ट्रपति ने पीएम रामगुलाम से मिलकर जताया विश्वास

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने नई दिल्ली और पोर्ट लुई के बीच अद्वितीय और स्थायी द्विपक्षीय संबंधों पर जोर दिया। राष्ट्रपति भवन द्वारा पर प्रकाशित एक पोस्ट में, दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों को स्वीकार किया, जो उनके साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों में निहित हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रधानमंत्री रामगुलाम के नेतृत्व अनुभव पर विश्वास व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में ये संबंध और भी मजबूत होंगे। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी पोस्ट में कहा गया कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि हमारे दोनों देशों के बीच संबंध अद्वितीय हैं, जो हमारे साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों में निहित हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री रामगुलाम के व्यापक नेतृत्व अनुभव के साथ, भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध आने वाले समय में और भी मजबूत होंगे। इससे पहले आज, प्रधानमंत्री रामगुलाम ने अपनी आठ दिवसीय द्विपक्षीय भारत यात्रा के समापन चरण के तहत राष्ट्रीय राजधानी स्थित राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद, रामगुलाम ने राजघाट स्थित आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए। मॉरीशस के प्रधानमंत्री सोमवार को नई दिल्ली पहुँचे, जहाँ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उनकी अगवानी की।

मोदी सरकार का नशा मुक्त भारत का संकल्प

2047 तक खत्म होगा खतरा:शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ

कार्रवाई के पैमाने में बदलाव किया जाए ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें। अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद जरूरी है। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली हो जाएँगी, तो देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे नजदीक ही हैं... इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें। शाह ने कहा कि तीन तरह के कार्टेल होते हैं, एक वो कार्टेल जो देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा वो कार्टेल जो एंट्री पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा वो कार्टेल जो राज्यों में पान की दुकान या गली के नुक्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है। इन तीनों तरह के कार्टेल्स पर कड़ा प्रहार करने का समय आ गया है। मेरा मानना ??है कि ऐसा तभी हो सकता है जब यहां बैठे लोग तय कर लें कि ये लड़ाई हमारी लड़ाई है। अमित शाह ने कहा कि भगोड़ों का निर्वासन और प्रत्यर्पण, ये दोनों ही बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब समय आ गया है कि जो लोग विदेश में बैठकर यहाँ नशे का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें हमारे कानून के दायरे में लाया जाए। सीबीआई ने इसमें बहुत अच्छा काम किया है। मैं सभी एएंडटीएफ अध्यक्षों से अनुरोध करता हूँ कि वे सीबीआई निदेशक से संपर्क करें और प्रत्यर्पण के लिए एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करें, जो न केवल नशे, आतंकवाद, गिरोहों, बल्कि हर चीज के लिए उपयोगी हो।

फोटो खिचने के बाद मांगा रुपए, मना करने पर छात्रा संग किया गैंगरेप

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में समुद्र तट के पास दलित छात्रा के साथ गैंग रेप के मामले के एक और आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक प्रतीक सिंह ने बताया कि 19 वर्षीय युवती अपने प्रेमी के साथ बलिहारचंडी मंदिर के पास बैठी थी तभी स्थानीय युवकों के एक समूह ने उनकी तस्वीरें खींचीं और वीडियो बनाए और उन्हें डिलीट करने के बदले में पैसे मांगे। सिंह ने बताया कि जब उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया तो दो युवकों ने युवती के साथ बलात्कार किया, जबकि अन्य ने उसके प्रेमी के साथ मारपीट की और उसे एक पेड़ से बांध दिया। घटना शनिवार दोपहर के करीब हुई लेकिन शिकायत पुरी सदर थाने में सोमवार शाम को दर्ज कराई गई। उन्होंने बताया कि घटना के सिलसिले में तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में सिबा साहू और मनोज साहू उर्फ कालिया शामिल हैं, जिन्होंने युवती के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया था।

'भाजपा का ढोंग उजागर हो गया'

भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर भड़के उद्धव ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलने से भाजपा की देशभक्ति का ढोंग उजागर हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को इसमें भाग न लेकर दृढ़ता दिखानी चाहिए थी। भारत ने रविवार को खेले गए मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के चलते सोशल मीडिया पर इस मैच का बहिष्कार करने की मांग उठ रही

थी। पाकिस्तान से मैच खेलने को लेकर बीसीसीआई की भी आलोचना हो रही है। ठाकरे बोले- पाकिस्तान के साथ न खेलकर दृढ़ता दिखानी चाहिए थी ठाकरे ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'भाजपा का ढोंग उजागर हो गया है। भारत को (पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच) न खेलकर दृढ़ता दिखानी चाहिए थी।' ठाकरे ने कहा कि अब यह साफ है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कई देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के बावजूद भारत को देशों से समर्थन क्यों नहीं मिला। ठाकरे ने कहा, 'जब हमने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का जनक है, तो दुनिया आपसे सवाल पूछेगी। आप पाकिस्तान के दुश्मन हैं या दोस्त? अगर आप उनके दुश्मन हैं, तो सारे रिश्ते तोड़ दीजिए।' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने क्रिकेट मैच विवाद में भाजपा का समर्थन करने के लिए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'उन्हें सिर्फ अपनी कुर्सी प्यारी है, देश नहीं।' ठाकरे ने महायुति सरकार पर 9 लाख करोड़ रुपये के बढ़ते कर्ज और खराब वित्तीय स्थिति के बावजूद नई योजनाएं शुरू करने पर भी निशाना साधा।

अदालत की फटकार के बाद 140 करोड़ रुपये की लंबित इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी का भुगतान करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार जल्द ही करीब 140 करोड़ रुपये की लंबित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सब्सिडी का भुगतान शुरू करेगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने सोमवार को कहा कि विभाग पिछले दो वर्षों से लंबित आवेदनों के निपटान के लिए इनका सत्यापन करेगा। एक अधिकारी के अनुसार, सरकार लंबित बकाया राशि के भुगतान के लिए एक पोर्टल भी तैयार कर रही है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने तीन सितंबर को दिल्ली सरकार को इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर

ग्राहकों को दी जाने वाली सब्सिडी का वितरण करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आदेश दिया था। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा था कि सरकार इस तथ्य की आड़ में नहीं छिप सकती कि दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2020 में राशि देने की कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि आदेश का पालन किया जाएगा और विभाग ने पात्र लाभार्थियों की पहचान शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह देरी पिछले साल आबकारी नीति से जुड़े एक मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के कारण हुई थी।

दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को वकीलों ने दौड़ा- दौड़ाकर पीटा, छावनी में तब्दील हुई कचहरी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी जिले में अधिवक्ताओं द्वारा पुलिस की पिटाई का मामला सामने आया है। यहां मंगलवार को कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने बड़ागांव थाने पर तैनात दरोगा मिथिलेश समेत चार पुलिसकर्मियों को दौड़ा- दौड़ाकर बेरहमी से पीटा। मामले को लेकर मौके पर हड़कंप मच गया। गंभीर हालत में दरोगा को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को बड़ागांव थाने में जमीन के प्रकरण में विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर मंगलवार को भी दरोगा और अधिवक्ताओं के बीच विवाद हुआ। और मामला बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गया। घटनास्थल पर डीएम सत्येंद्र कुमार और अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मीणा बार के पदाधिकारियों के साथ वार्ता कर रहे हैं। पूरी कचहरी को छावनी में तब्दील किया गया है। कमिश्नरेट की पांच थानों की फोर्स मौके पर तैनात है।

बिहार के छात्रों की मौज! नीतीश सरकार ने शिक्षा ऋण से हटाया ब्याज का बोझ

बिहार (एजेंसी)। चुनावी साल से पहले छात्रों को बड़ी राहत देते हुए, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने घोषणा की है कि बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत दिए जाने वाले शिक्षा ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की और इसे इच्छुक छात्रों पर वित्तीय बोझ कम करने वाला कदम बताया। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि बिहार में 07 निश्चय योजना के अंतर्गत 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए 02 अक्टूबर 2016 से बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लागू है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अधिकतम 04 लाख रुपए का शिक्षा ऋण सामान्य आवेदक को 04 प्रतिशत ब्याज दर पर तथा महिला, दिव्यांग एवं ट्रांसजेन्डर आवेदक को मात्र 01 प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि

मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि अब स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले शिक्षा ऋण की राशि सभी आवेदकों के लिए ब्याज रहित होगी। नीतीश ने कहा कि साथ ही 02 लाख रुपए तक के शिक्षा ऋण को 60 मासिक किस्तों (05 वर्ष) में वापस करने का प्रावधान था।

धर्मांतरण कानूनों पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से जवाब मांगा, छह हफ्ते बाद होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कई राज्यों से उनके धर्मांतरण रोधी कानूनों पर जवाब मांगा है। कोर्ट में दायर याचिकाओं में इन कानूनों की वैधता को चुनौती दी गई है और उन पर रोक लगाने की मांग की गई है। चीफ जस्टिस बी. आर. गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने साफ किया कि राज्यों के जवाब आने के बाद ही इन कानूनों पर रोक लगाने की अर्जी पर विचार होगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ताओं को इसके बाद दो हफ्ते का समय दिया गया है ताकि वे राज्यों की दलीलों पर अपनी प्रतिक्रिया

दर्ज कर सकें। इस मामले की अगली सुनवाई छह हफ्ते बाद होगी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पक्ष के वरिष्ठ वकील सी. यू. सिंह को याचिका संशोधित करने की भी अनुमति दी है, ताकि उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में किए गए स्कड़े बदलावों को चुनौती में शामिल किया जा सके। किन राज्यों के कानून चुनौती के दायरे में याचिकाओं में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक के धर्मांतरण रोधी कानूनों को चुनौती दी गई है। इन राज्यों ने धार्मिक परिवर्तन को लेकर अलग-अलग प्रावधान बनाए हैं, जिन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ये कानून संविधान के अनुच्छेद 21 और 25 का उल्लंघन करते हैं, जो व्यक्ति को स्वतंत्रता और धर्म पालन का अधिकार देते हैं। याचिकाकर्ताओं की दलील सीनियर एडवोकेट सी. यू. सिंह ने कोर्ट को बताया कि इन कानूनों के कारण अंतर्धार्मिक विवाह करने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कई प्रावधानों में तीसरे पक्ष को शिकायत दर्ज कराने की अनुमति दी गई है, जिससे उत्पीड़न और भी बढ़ गया है। सिंह ने उदाहरण देते हुए कहा कि चर्च में धार्मिक आयोजन तक में भीड़ हस्तक्षेप करती है और इसे कानून का हवाला देकर सही ठहराया जाता है।

महाप्रबन्धक नरेश पाल सिंह ने 11 रेल कर्मचारियों को किया पुरस्कृत

नई दिल्ली : महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, नरेश पाल सिंह द्वारा प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, जे.सी.एस. बोरा एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झाँसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से अगस्त 2025 माह के लिए चयनित कुल 11 रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में काली चरण, ट्रैक मेन्टेनर -क्स, बांदा, झाँसी मण्डल विक्रान्त बाबू राणा, कीमैन, कोसी कलां, आगरा मण्डल अंशुमान सिंह, प्वाइण्टस मैन, पनकीधाम/प्रयागराज मण्डल श्यामू पटेल, प्वाइण्टसमैन, प्रयागराज छिवकी/ प्रयागराज मण्डल भूरी सिंह, प्वाइण्टसमैन, हेतमपुर/ झाँसी मण्डल धरमपाल राजपूत, वरि. ट्रेन मैनेजर/वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी/झाँसी मण्डल राधा किशन, वरि. ट्रेन मैनेजर-गुड्स/ ईदगाह/ आगरा मण्डल दीपक कुमार सुम्बरूई, लोको पायलट, प्रयागराज छिवकी/प्रयागराज मण्डल करमेन्द्र कुमार सिंह, सहा. लोको पायलट, प्रयागराज छिवकी/ प्रयागराज मण्डल अमर सिंह, लोको पायलट गुड्स, आगरा कैण्ट/ आगरा मण्डल रजनी कान्त, सहा. लोको पायलट गुड्स, आगरा कैण्ट/आगरा मण्डल एवं रजनी कान्त, सहायक लोको पायलट आगरा मण्डल शामिल हैं। अमर सिंह, लोको पायलट गुड्स, आगरा गुड्स, आगरा कैण्ट/आगरा मण्डल को संयुक्त रूप से माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी के संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अमर सिंह, लोको पायलट, मालगाड़ी, आगरा कैण्ट/आगरा मण्डल एवं रजनी कान्त, सहायक लोको पायलट, आगरा कैण्ट/आगरा मण्डल ने 24 जुलाई को गाड़ी सं. ICDT Goods पर कार्य के दौरान तुगलकाबाद-आगरा कैंट खण्ड में छाता-अझई स्टेशनों के मध्य अझई यार्ड में प्रवेश करते समय अचानक जर्क का अनुभव किया। क्रू द्वारा तुरंत गाड़ी को खड़ा किया तथा जर्क लगने वाले स्थान की जाँच करने पर रेल फ्रैक्चर पाया गया। इसकी सूचना सर्व सम्बंधित को दी। इस प्रकार इनकी सजगता एवं सतर्कता से एक संभावित रेल दुर्घटना को रोका गया।

दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को वकीलों ने दौड़ा- दौड़ाकर पीटा

वाराणसी। वाराणसी में दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों की पिटाई की गई। जिससे कचहरी में हड़कंप मच गया। लोगों की भारी भीड़ जुट गई। मौके पर अधिकारी पहुंचे और छानबीन शुरू की। वाराणसी जिले में अधिवक्ताओं द्वारा पुलिस की पिटाई का मामला सामने आया है। यहां मंगलवार को कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने बड़ागांव थाने पर तैनात दरोगा मिथिलेश समेत चार पुलिसकर्मियों को दौड़ा- दौड़ाकर बेरहमी से पीटा। मामले को लेकर मौके पर हड़कंप मच गया। गंभीर हालत में दरोगा को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को बड़ागांव थाने में जमीन के प्रकरण में विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर मंगलवार को भी दरोगा और अधिवक्ताओं के बीच विवाद हुआ। और मामला बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गया। घटनास्थल पर डीएम सत्येंद्र कुमार और अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मीणा बार के पदाधिकारियों के साथ वार्ता कर रहे हैं। पूरी कचहरी को छावनी में तब्दील किया गया है। कमिश्नरेट की पांच थानों की फोर्स मौके पर तैनात है।

द्वितीय चरण की काउंसिलिंग 20 से

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश के लिए द्वितीय चरण की काउंसिलिंग 20 सितंबर से शुरू होगी। इसमें एमबीबीएस की रिक्त 14 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। इसकी तैयारी कॉलेज में शुरू है। ऑल इंडिया कोटे से 13 सीटें रिक्त हैं, जबकि स्टेट कोटे से एक सीट पर प्रवेश होना है। एनएमसी की ओर से काउंसिलिंग के लिए तिथि जारी कर दी गई है। बताया गया है कि जो विद्यार्थी पूर्व में प्रवेश ले चुके हैं और वे अपग्रेड होंगे। उनके स्थान पर रिक्त सीटों पर भी प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। बताया गया कि महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज में यूपी और ऑल इंडिया यूजी-नीट उत्तीर्ण छात्रों का एमबीबीएस सीटों पर पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई थी। पहले चरण की काउंसिलिंग में 82 एमबीबीएस विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया था। इस साल काउंसिलिंग में यूपी के लिए बस्ती मेडिकल कॉलेज को 85 सीट आवंटित की गई हैं। इसमें से 84 सीटों पर प्रवेश पूरा कर लिया गया है। एक सीट रिक्त है, जबकि ऑल इंडिया कोटे की आरक्षित 15 सीटों में से पहले चरण की काउंसिलिंग में सिर्फ दो छात्रों का प्रवेश पूरा हुआ था। 13 सीटें रिक्त हैं। नोडल अधिकारी एनएमसी प्रोफेसर डॉ. श्याम सुंदर केसरी ने बताया कि पहले चरण की हुई काउंसिलिंग में राज्य स्तर और ऑल इंडिया कोटे से 84 सीटों पर प्रवेश हुआ था। ऑल इंडिया कोटे से 13 सीट रिक्त है। बताया कि सेकेंड काउंसिलिंग में 14 सीटों पर प्रवेश होना है। 20 सितंबर से द्वितीय चरण में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। अपग्रेड होने वाले सीटों पर भी प्रवेश होगा।

गोविंदनगर शुगर मिल गेट पर दिया धरना

बस्ती। गोविंदनगर शुगर मिल गेट पर कर्मचारियों और किसानों का धरना सोमवार को 28वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारी मिल को हर हाल में चालू कराने की मांग पर अड़े रहे। मिल कर्मचारी महेश पांडेय ने कहा कि किसानों, श्रमिकों और व्यापारियों की मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि मिल प्रबंधन को मिल हर हाल में चालू करनी पड़ेगी। नितराम चौधरी, अंगद वर्मा, राकेश चौधरी और वीरेंद्र कुमार ने कहा कि किसानों और श्रमिकों को मजबूर होकर हक की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। राम जतन, घमालु, राम दयाल, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

108 व 102 एंबुलेंस सेवा प्रदाता के खिलाफ शिकायत

बस्ती। 108 और 102 एंबुलेंस सेवा प्रदाता कंपनी पर कर्मचारियों ने अनियमितता का आरोप लगाया है। सोमवार को जीवनदायिनी एंबुलेंस संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन भेजा गया। आरोप है कि कंपनी कर्मचारियों को फर्जी केस दर्ज करने के लिए दबाव डालती है। इससे मरीजों को समय पर एंबुलेंस सेवा नहीं मिल पाती और कई बार उनकी मृत्यु हो जाती है। कंपनी द्वारा कर्मचारियों से नौकरी के बदले बड़ी रकम जमा कराई जाती है। बाद में वापस नहीं की जाती। समय पर वेतन नहीं दिया जाता है। पदाधिकारियों ने बताया कि अगर शिकायतों एवं मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो संघ आगे का कार्यक्रम तय करेगा।

माइक्रो फाइनेंस कंपनी के मैनेजर पर धोखाधड़ी का केस

बस्ती। कस्बे के कुंवर नगर वार्ड के मुरादीपुर चौराहे पर स्थित कमल पिनकैप प्राइवेट कंपनी के शाखा प्रबंधक पर ग्राहकों से वसूले गए कर्ज की रकम हड़पने का गंभीर आरोप लगा है। कंपनी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ब्रांच मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिजार्पुर जनपद के कछवा निवासी कंपनी अधिकारी राहुल तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि नकहरा पंडरा महुआरिया, मिजार्पुर के रहने वाले शाखा प्रबंधक संजय भारती ने ग्राहकों से वसूले गए करीब 1.71 लाख रुपये कंपनी के खाते में जमा नहीं किया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने लोन खाते को बंद करने का प्रलोभन देकर ग्राहकों से नकद वसूली कर ली। प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। गौरतलब है कि हरैया कस्बे में दो दर्जन से अधिक माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के दफ्तर खुले हैं।

भारतीय रेल में पहली बार प्राचार्य सम्मेलन

गोरखपुर: भारतीय रेल ने अपने कर्मचारियों के प्रशिक्षण को बेहतर और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसी कड़ी में पहली बार मल्टी डिसिप्लिनरी जोनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स (टऊळक) के प्राचार्यों का सम्मेलन ट्रैफिक निदेशालय के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। वर्तमान में भारतीय रेल के कुल 14 टऊळक संस्थान फील्ड स्टाफ को प्रशिक्षण देते हैं। यहाँ नए भर्ती कर्मचारियों को शुरूआती कोर्स और कार्यरत स्टाफ को समय-समय पर रिफ्रेशर ट्रेनिंग दी जाती है। सम्मेलन में प्रमुख चर्चा केस स्टडीज के उपयोग पर हुई, जिनके माध्यम से ट्रेन संचालन और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को बेहतर तरीके से समझाया जा सके। साथ ही प्रशिक्षण को अधिक संवादात्मक और रोचक बनाने के लिए सिमुलेटर के उपयोग को बढ़ाने पर विचार किया गया। प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नियमित फीडबैक संग्रह की व्यवस्था करने का भी निर्णय लिया गया। सम्मेलन में विभिन्न एमडीजेटीआई संस्थानों द्वारा तैयार किए गए प्रशिक्षण और लेक्चर वीडियो को एक साझा प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया, जिससे कर्मचारियों को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्राप्त हो सके। सम्मेलन के अंतर्गत एमडीजेटीआई प्राचार्यों को दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का दौरा भी कराया गया। जहाँ उन्होंने मेट्रो रेल प्रशिक्षण पद्धतियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कैब, बोगी एवं सिग्नलिंग सिस्टम्स के सिमुलेटर, ऑटोमैटिक दरवाजे का सिस्टम और आपातकालीन निकासी प्रक्रिया से संबंधित प्रशिक्षण विधियों को विस्तार से प्रदर्शित किया गया। यह सम्मेलन भारतीय रेल की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिसके अंतर्गत प्रशिक्षण ढाँचे को और अधिक आधुनिक, व्यवहारिक एवं उच्च गुणवत्ता वाला बनाया जा रहा है। इससे स्टाफ की दक्षता में वृद्धि होने के साथ-साथ सुरक्षित एवं सुचारु रेल संचालन भी सुनिश्चित होगा।

खलीलाबाद स्टेशन पर स्वच्छ दिखता रेलवे प्लेटफार्म

गोरखपुर, : भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 16 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे- स्टेशनों, ट्रेनों, स्टेशन परिसरों, कॉलोनियों, कार्यालयों, डिपो एवं कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, साथ ही रेल कर्मियों एवं यात्रियों के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। 16 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत लखनऊ जं0 एवं गोरखपुर स्टेशनों पर डस्टबिन की धुलाई तथा रेलवे ट्रैक के किनारों की सफाई की गयी। ऐशबाग, गोण्डा, बस्ती, खलीलाबाद स्टेशनों पर कार्यालयों, स्टेशन परिसर, प्लेटफार्मों पर गहन सफाई की गयी एवं यात्रियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया। बंदरियाबाग एवं बादशाहनगर रेलवे कालोनी में स्वच्छता अभियान चलाकर रेलकर्मियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन में सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत स्टेशनों पर कार्यरत अनुबन्ध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से एक सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली गई। स्टेशनों पर बोतल क्रशर मशीन का उपयोग कर यात्रियों और कर्मचारियों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान स्टेशन पर पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वाटर हाइड्रेन्ट पाइप एवं वाटर बूथ का निरीक्षण किया गया। कचरे के पृथक्कीकरण हेतु स्टेशन पर अलग-अलग रंगो के डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा स्टेशन परिसर की सफाई की गई। यात्रियों को स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाये रखने हेतु जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक सुश्री वीणा सिन्हा के मार्गदर्शन में इज्जतनगर मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत काठगोदाम, हल्द्वानी, रूद्रपुर स्टेशनों पर बोतल क्रशर मशीन के उपयोग के बारे में यात्रियो को जागरूक किया गया। स्टेशनों पर उपलब्ध डस्टबिन की सफाई एवं धुलाई की गई तथा रेलवे ट्रैक के किनारों की सफाई की गयी। कासगंज रेलवे स्टेशन पर कार्यालयों एवं प्रतीक्षालय तथा स्टेशन परिसर की गहन सफाई की गयी। यात्रियों को स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया।

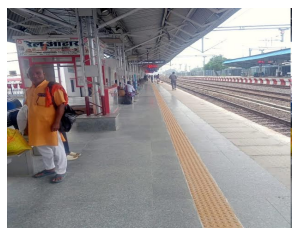

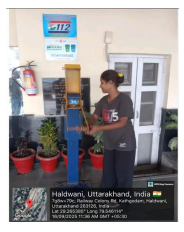

अमृतसर से 02.50 बजे छूटकर छैहरटा 03.20 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 14628/14627 छैहरटा-सहरसा-छैहरटा नई साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित संचलन छैहरटा से 20 सितम्बर,2025 से प्रत्येक शनिवार को तथा सहरसा से 22 सितम्बर,2025 से प्रत्येक सोमवार को निम्नवत किया जायेगा, जिसका शुभारम्भ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 15 सितम्बर, 2025 सोमवार को 05531 सहरसा-छैहरटा उद्घाटन विशेष गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर किया गया था। यह गैर-वातानुकूलित श्रेणी की प्रीमियम ट्रेन है। इस गाड़ी में मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, आरामदायक सफर के लिये एयर स्प्रिंग बॉडी, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, स्वच्छ दिव्यांगजन-अनुकूल प्रसाधन, सेफ्टी के लिये फायर डिटेक्शन, टॉक-बैक यूनिट, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था सहित उन्नत यात्रा सुविधायें उपलब्ध हैं। 14628 छैहरटा-सहरसा साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 20 सितम्बर, 2025 से प्रत्येक शनिवार को छैहरटा से 22.20 बजे प्रस्थान कर अमृतसर से 22.55 बजे, ब्यास से 23.25 बजे, दूसरे दिन जलंधर सिटी से 00.10 बजे, फगवाड़ा से 00.30 बजे, ढंडारी कलां से 01.30 बजे, सरहिन्द से 02.18 बजे, राजपुरा से 02.40 बजे, अम्बाला कैण्ट से 03.35 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 04.08 बजे, सहारनपुर से 05.10 बजे, रूड़की से 05.54 बजे, मुरादाबाद से 09.25 बजे, चन्दौसी से 10.42 बजे, सीतापुर से 16.40 बजे, बुढ़वल से 18.20 बजे, गोण्डा से 19.25 बजे, मनकापुर से 19.51 बजे, बस्ती से 20.40 बजे, खलीलाबाद से 21.07 बजे, गोरखपुर से 22.25 बजे, कप्तानगंज से 23.15 बजे, सिसवा बाजार से 23.42 बजे, तीसरे दिन नरकटियागंज से 02.00 बजे, सिकटा से 02.32 बजे, रक्सौल से 02.50 बजे, सीतामढ़ी से 04.33 बजे, शीशो से 05.40 बजे, सकरी से 06.35 बजे, झंझारपुर से 07.05 बजे, निर्मली से 07.40 बजे, सरायगढ़ से 08.15 बजे तथा सुपौल से 08.47 बजे छूटकर सहरसा 10.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 14627 सहरसा-छैहरटा साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 22 सितम्बर, 2025 से प्रत्येक सोमवार को सहरसा से 13.00 बजे प्रस्थान कर सुपौल से 13.35 बजे, सरायगढ़ से 14.25 बजे, निर्मली से 14.45 बजे, झंझारपुर से 15.30 बजे, सकरी से 16.22 बजे, शिशो से 17.10 बजे, सीतामढ़ी से 19.05 बजे, रक्सौल से 22.30 बजे, सिकटा से 23.02 बजे, दूसरे दिन नरकटियागंज से 00.30 बजे, सिसवा बाजार से 02.17 बजे, कप्तानगंज से 02.45 बजे, गोरखपुर से 04.05 बजे, खलीलाबाद से 04.56 बजे, बस्ती से 05.22 बजे, मनकापुर से 06.17 बजे, गोंडा से 07.05 बजे, बुढ़वल से 08.12 बजे, सीतापुर जं. से 10.45 बजे, चंदौसी से 15.10 बजे, मुरादाबाद से 16.40 बजे, रूड़की से 19.29 बजे, सहारनपुर से 20.45 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 21.14 बजे, अम्बाला कैंट से 22.20 बजे, राजपुरा से 22.44 बजे, सरहिन्द से 23.06 बजे, तीसरे दिन ढंडारी कलां से 00.03 बजे, फगवाड़ा से 00.50 बजे, जलंधर सिटी से 01.25 बजे, ब्यास से 01.58 बजे तथा अमृतसर से 02.50 बजे छूटकर छैहरटा 03.20 बजे पहुँचेगी।

संक्षिप्त खबरें

मंडलीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक 18 को

बस्ती। मंडलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में विकास कार्यों की मासिक मंडलीय समीक्षा बैठक 18 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से आयुक्त सभागार में होगी। यह जानकारी संयुक्त विकास आयुक्त कमला कान्त पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में मंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर अद्यतन प्रगति विवरण प्रस्तुत करें।

लो वोल्टेज से भिरिया बाजार के लोग त्रस्त

बस्ती। भानपुर उपकेंद्र से जुड़े भिरिया बाजार के उपभोक्ता लो वोल्टेज की समस्या से जूझ रहे हैं। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर इसका असर पड़ रहा है। ग्रामीणों व दुकानदारों का कहना है कि वोल्टेज इतना कम रहता है कि पंखे, कूलर और फ्रिज चलना तो दूर, समय से पहले खराब हो जाते हैं। सबसे अधिक परेशानी कारोबारियों को हो रही है। पर्याप्त बिजली न मिलने से कारोबार ठप पड़ने लगा है। स्थानीय निवासी राजू, गोमती, राजेश, राजकुमार चौरसिया, सत्य प्रकाश चौधरी और अपूर्व सिंह ने बताया कि लो वोल्टेज ने उनकी दुकानदारी पर सीधा असर डाला है। उनका कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान तभी होगा जब स्थानीय ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जाए।

गन्ना सट्टा प्रदर्शन मेले में बारिश से खलल

बस्ती। सहकारी गन्ना विकास समिति गौर परिसर में सोमवार से दस दिवसीय गन्ना सट्टा प्रदर्शन मेले की शुरूआत हुई। बारिश के कारण पहले दिन मेले में केवल 44 किसान पहुंचे।समिति अध्यक्ष अरविंद सिंह ने शुभारंभ किया। कहा कि गन्ना आयुक्त के निर्देश पर यह आयोजन किया गया है। सचिव अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य त्रुटियों को सुधारना है। उन्होंने कहा कि मेले में चीनी मिल बभनान और समिति के कर्मचारी मौजूद रहेंगे। किसान सर्वे, पेड़ी-पौधा, आधार कार्ड, खाता नंबर, मोबाइल नंबर आदि में सुधार करा सकते हैं। सचिव ने बताया कि 25 सितंबर तक चलने वाले इस मेले में किसानों को सुधार का अंतिम अवसर दिया जा रहा है। इसके बाद यदि किसी किसान की जानकारी में त्रुटि रह जाती है, तो भविष्य में सुधार संभव नहीं होगा। उन्होंने समिति क्षेत्र के सभी किसानों से अपील की कि समय रहते अपनी सूची की जांच अवश्य करा लें।

अपने ही घर में नकाब लगाकर मचाया चोर चोर का शोर

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बहेरिया गांव में सोमवार की देर रात अजीबोगरीब घटना सामने आई। गांव के सोनू कुमार ने खुद ही अपने घर की दीवार में सेंध काटी और अनाज समेत अन्य सामान छिपा दिया। इसके बाद उसने चोर-चोर का शोर मचा दिया। शोर सुनकर ग्रामीण जुटे और पुलिस को सूचना दी। जांच में पुलिस ने चोरी का सामान घर के आसपास बरामद कर लिया। सेंध काटने में प्रयुक्त सब्बल भी बरामद हुआ। सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि यह घटना पूरी तरह फर्जी निकली। सोनू ने मनगढ़ंत तरीके से नकबजनी की कहानी गढ़ी थी। आरोपी के खिलाफ अफवाह फैलाने और झूठी सूचना देने के आरोप में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिला स्तरीय चयन-ट्रायल में खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

बस्ती। शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में सोमवार को जिम्नास्टिक सीनियर पुरुष और सीनियर महिला वर्ग खिलाड़ियों का चयन-ट्रायल सुबह 11 बजे से किया गया। चयनित खिलाड़ी मंडल स्तरीय चयन-ट्रायल में भाग लेंगे। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि प्रयागराज में 25 से 26 सितंबर तक प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता होगी, जिसमें बस्ती की दोनों टीमें प्रतिभाग करेंगी। इसके अलावा कुश्ती सीनियर पुरुष और सब जूनियर बालक प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन-ट्रायल जिले स्तर का किया गया। यह प्रतियोगिता 27 से 29 सितंबर गोरखपुर और चार से छह अक्तूबर तक आगरा में होगी। चयनित खिलाड़ी मंडल स्तरीय चयन-ट्रायल में प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा बॉक्सिंग सीनियर पुरुष वर्ग खिलाड़ियों का जिला स्तरीय चयन-ट्रायल हुआ।

शोरूम कर्मचारी की बाइक चोरी

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के गोटवा बाजार में स्थित ट्रक सर्विस सेंटर में कार्यरत कर्मचारी की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित ने नगर पुलिस से शिकायत की है। पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़ित दीपक यादव निवासी चित्रा थाना गौर ने बताया कि वह शोरूम के सर्विस विभाग में वारंटी सहायक पद पर कार्यरत है। 13 सितंबर शाम को घर जाने के लिए बाहर आया तो बाइक गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद भी पता न चलने पर उसने चोरी की आशंका जताई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बस्ती जिला स्तरीय विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान समारोह कल

बस्ती। अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में बस्ती जिला स्तरीय विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 17 सितंबर को 10 बजे से किया गया है। इसमें कक्षा 10, 11 और 12वीं तथा स्नातक छात्र-छात्राओं समेत अन्य मेधावियों को सम्मानित किया जाएगा और कैरियर संबंधित टिप्स दिए जाएंगे। कार्यक्रम में राकेश यादव शामिल होंगे। बताया गया कि एप के जरिये निशुल्क शिक्षा दी जाएगी।

डीएम से की मैराथन मार्ग सुधारने की मांग

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेष पांडेय ने सोमवार को जिलाधिकारी से मुलाकात कर कंपनीबाग चौराहे और शास्त्री चौक (तिरंगा चौराहा) से संबंधित समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा। कहा कि कंपनीबाग चौराहे पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण मार्ग अव्यवस्थित है। 19 अक्तूबर को 14वीं बस्ती मैराथन में हजारों धावक इस मार्ग से गुजरेंगे। यातायात और सुरक्षा की दृष्टि से चौराहे का त्वरित सुधार आवश्यक है। शास्त्री चौक पर फुटपाथ और सड़क के बीच बनी दीवार को शहर की सुंदरता और यातायात सुगमता के लिए बाधक बताते हुए उसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

बस्ती। लालगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रविवार रात चोरी की बाइक के साथ युवक को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय भेज दिया। एसएचओ संजय कुमार ने बताया कि रात करीब 9 बजे सूचना मिली कि बरम बाबा मंदिर परिसर, बासापार में एक युवक चोरी की बाइक के साथ मौजूद है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान थाना लालगंज के गोनार निवासी उमेश यादव पुत्र भागीरथी यादव (30) के रूप में हुई।

त्योहारी मांग और जीएसटी सुधारों से कंज्यूमर सेक्टर को मिल सकती है रफ्तार, ग्रामीण मांग पर दबाव कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी मांग और जीएसटी सुधारों के चलते वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में उपभोक्ता कंपनियों के नतीजे बेहतर होने की उम्मीद है। सिस्टेमैटिक्स रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि उपभोक्ता वस्तुओं में मामूली वृद्धि देखी गई है। वहीं विवेकाधीन खर्च अभी भी कोविड-पूर्व स्तरों से नीचे बना हुआ है। पहली तिमाही के नतीजे रहे सुस्त वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे सुस्त रहे, लेकिन तिमाही-दर-तिमाही सुधार पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, घटती महंगाई, सप्लाई चेन का सामान्य होना और त्योहारों के मौसम की मांग, दूसरी छमाही में सेक्टर की रिकवरी को गति देंगे। उपभोक्ता कंपनियों के नतीजे रहे बेहतर उपभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में राजस्व में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

'नशा करना है तो भगवान की भक्ति का करो'

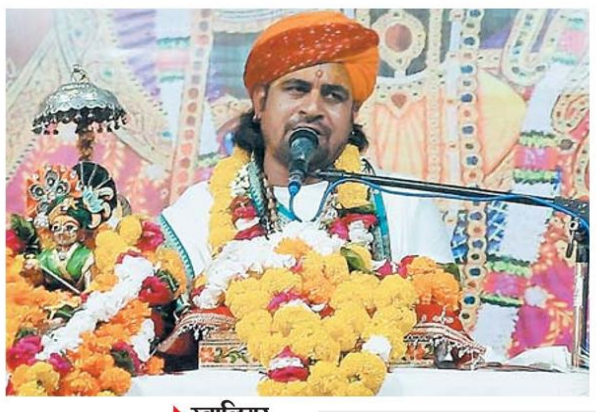

ग्वालियर

अगर अपने जीवन में नशा करना है तो भगवान की भक्ति का करो। यह कथा जीवन को पवित्र और सन्मार्ग पर चलने में सहायक होती है। जिन लोगों के जीवन में भागवत कथा या धर्म का समावेश नहीं होता उनके जीवन में कोई ना कोई विध्न अवश्य आता है। यह विचार माधव मंगल गार्डन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में भागवताचार्य रसराज मृदुल ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि सुदामा निर्धन नहीं थे उनके पास भौतिक संसाधन भले ही ना हो लेकिन संतोष धन था और जिसके पास संतोष धन होता है वही धनी होता है। सोमवार की आरती में संतोष शर्मा, कृष्ण दत्त, महेश दत्त, प्राची शर्मा, अनिल सांखला शामिल रहे।

विश्वकर्मा पूजन आज

श्री विश्वकर्मा गौड़ समाज विकास समिति ग्वालियर की ओर से 16 सितम्बर को सुबह 9 बजे रामचरितमानस पाठ शुरू किया जाएगा जो कि 17 सितम्बर को पूर्ण होगा। भगवान विश्वकर्मा के स्वरूप का पूजन व हवन कर, भगवान विश्वकर्मा की शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह जानकारी समिति अध्यक्ष पन्नालाल गौड़ ने दी।

एक-दूसरे से हाथ जोड़कर मांगी क्षमा

थाटीपुर स्थित जैन मंदिर गुलाब चंद की बगीची में क्षमावाणी पर्व का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक-दूसरे से हाथ जोड़कर क्षमा याचना की और आपसी सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेन्द्र कुमार गोयल, पारस जैन एवं भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल उपस्थित रहे। इस दौरान समाज एवं मंदिर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों को प्रशस्ति-पत्र से अलंकृत किया गया, जिनमें वीरेन्द्र कुमार गोयल, अजय उत्तम चन्द्र जैन, रविंद्र कुमार जैन, अनिल कुमार जैन, रज्जन कुमार जैन, कस्तूर चन्द्र जैन एवं गायत्री जैन शामिल रहे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

बालिका और महिलाओं ने प्रस्तुत किया विवेक से सुबल सागर नाटक का मंचन

नेमीनाथ जैन मिलन बालिका एवं महिला शाखा की ओर से आचार्यश्री सुबल सागर महाराज के 49वें अवतरण दिवस पर बालिकाओं एवं महिलाओं द्वारा भक्तिमय नाटिका का मंचन चंपाबाग धर्मशाला में किया गया। नाटिका का शुभारंभ पारी जैन ने मंगलाचरण के द्वारा किया। नाटिका में बताया कि भिंड नगर में 14 सितम्बर, 1976 में मां प्रभादेवी की कोख से जन्मे विवेक के आने से घर में परिवार खुशियों से झूमा उठा। विवेक जैसे-जैसे बड़े होते गए उनकी धर्म में रूचि बढ़ती गई। उन्होंने परिवार को बिना बताए ब्रह्मचर्य व्रत नियम ग्रहण कर लिया। धीरे-धीरे संयम पालन करते करते विवेक ने मुनि दीक्षा अपने गुरु सन्मति सागर महाराज से ग्रहण की। तभी से विवेक से आचार्यश्री सुबल सागर का सफर मोक्ष मार्ग तक नाटक मंचन के माध्यम से दर्शाया गया। नाटिका की प्रस्तुति डॉ. वीणा जैन, सोनल जैन, वंदना जैन, नेहा जैन, नीलम जैन, ललिता जैन, पिंकी जैन आदि ने दी।

सच्चा ज्ञान वही है जो व्यक्ति को गलत कार्यों से बचा ले: सुबल सागर

धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री सुबल सागर महाराज ने कहा कि जीवन में धर्म से बढ़कर दूसरी और कोई नेकी नहीं है। उसे भुला देने से बढ़कर दूसरी कोई बुराई नहीं है। दुनिया में सबसे बड़ी अच्छाई है धर्म को धारण करना। धर्म के बिना ज्ञान प्राप्त करना भार हो जाता है। सच्चा ज्ञान वही कहलाता है जो व्यक्ति को गलत कार्यों से बचा ले। आचार्य श्री के चरणों में श्रीफल निर्मल पाटनी, बालचंद्र जैन, विनय कासलीवाल, वीरेंद्र बाबा ने भेंट किया।

भागवत में वो बल है जो मोक्ष प्रदान करता है

सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में पूरन बैराठी पीठाधीश्वर स्वामी श्री रामसेवक दास महाराज के सानिध्य में सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा एवं तर्पण प्रारंभ हुआ। धर्म सभा को संबोधित करते हुए कथा व्यास रघुवीर दास ने कहा कि श्रीमद् भागवत में वो बल है जो समस्त ज्ञात, अज्ञात, पापी, दुरात्मा योनि में पड़े हुए पितरों को मोक्ष प्रदान करती है। अजामिल एवं धुंधकारी इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। भागवत जी में कहा गया है कि यह प्रेत पीड़ा विनाशनी है। उन्होंने बताया कि सिद्ध स्थान पर किया गया कोई भी कार्य हजारों गुना फल देता है, चूंकि यह सिद्धपीठ श्री गंगा दास जी की बड़ी शाला में 700 वर्षों से अखंड भजन पूजन सेवा चल रही है जिस कारण प्रत्येक तीर्थ के समान फल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि पितृ पक्ष में तर्पण न केवल पितरों के लिए होता है बल्कि देवताओं, ऋषियों, सिद्ध पुरुषों के लिए किया जाता है जो समस्त पुण्यों को देने वाला होता है। प्रथम दिन की आरती में ममता सुशील कटारे, सीमा समाधियां, कृष्ण सतीश सिंह, राधिका विजयवर्गीय आदि शामिल हुए।

धूमधाम से मना राम-जानकी स्वयंबर और कृष्ण जन्मोत्सव

तिकोनिया पार्क तानसेन नगर स्थित मनकामेश्वर शक्ति पीठ पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। व्यास गद्दी पर मथुरा वाले शुभम अग्निहोत्री द्वारा कथा का श्रवण कराया जा रहा है। कथा के चौथे दिन भगवान राम-जानकी का स्वयंबर एवं श्री कृष्ण जन्मोत्सव झांकी के माध्यम से धूमधाम से मनाया गया। श्रीमद् भागवत कथा में शीश पर डलिया में नन्हे कान्हा को लिए जब वासुदेव जी ने पांडाल में प्रवेश किया तो उनकी मोहक छवि के दर्शन को जनसमूह उमड़ पड़ा। चारों ओर नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, गूंज से आकाश गूंज उठा। झूमते-नाचते भक्तों के हृदय प्रेमरस से सरोबार हो गए और समूचा वातावरण कृष्णमय माधुर्य में डूब गया। इस अवसर मंदिर समिति के मधुसूदन, राजेंद्र यादव, जीतेन्द्र यादव, अशोक शर्मा, राकेश गुप्ता, रमेश सिकरवार, अभय सिंह आदि उपस्थित रहे। आरती उपरांत श्रद्धालुओं को माखन-मिश्री का भोग वितरित किया गया।

शारदीय नवरात्र 22 से, हाथी पर सवार होकर आएंगी माता रानी

ग्वालियर

शारदीय नवरात्र का आरंभ 22 सितंबर सोमवार से होने जा रहा है जिसका समापन 2 अक्टूबर को होगा। घट स्थापना पूर्वान्ह में दोपहर से पहले कर सकते हैं। इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हाथी को माता की शुभ सवारियों में से एक माना जाता है। इन दिनों में माता के नौ रूपों की पूजा की जाएगी। नवरात्र महापर्व को लेकर माता के मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं।

शारदीय नवरात्र के दौरान जगत जननी आदि शक्ति मां दुर्गा और उनके नौ रूपों की पूजा की जाती है। इस बार शारदीय नवरात्रि 10 दिन की होगी। जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा करने से भक्तजन की हर मनोकामना पूरी होती है।

कलश स्थापना मुहूर्त

पंचांग के अनुसार शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 22 सितंबर सोमवार से होगी। इसी दिन कलश स्थापना भी किया जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस दिन घटस्थापना का शुभ मुहूर्त प्रातः 06 बजकर 09 मिनट से शुरू होकर 08 बजकर 06 मिनट तक रहेगा। वहीं, इस दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 49 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 38 मिनट तक है। मां दुर्गा की पूजा प्रारंभ करने के लिए यह मुहूर्त विशेष रूप से उत्तम माना गया है।

शारदीय नवरात्रि में नौ देवियों की होगी पूजा: शारदीय नवरात्र में मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी, मां सिद्धिदात्री की पूजा होगी।

कंटेनर ने मोटरसाइकिल सवार युवकों को मारी टक्कर

ग्वालियर। मंदिर से दर्शन कर वापस लौट रहे मोटरसाइकिल सवार युवकों को तेज गति से दौड़ रहे कंटेनर ने अपनी चपेट में ले लिया। कंटेनर की टक्कर से युवक सड़क पर दूर जा गिरे। एक युवक की हालत नाजुक बताई गई है। सोमवार को देवेन्द्र बंजारा, जितेन्द्र कुशवाह, राधेश्याम बंजारा और बलराम बंजारा एक मोटरसाइकिल पर बैठकर शीतला माता मंदिर पर दर्शन करने के लिए गए थे। बताया गया है कि चारों युवक मंदिर से वापस लौट रहे थे अभी वह शीतला माता मंदिर हाइवे के पास पहुंचे ही थे तभी तेज गति से दौड़ रहे कंटेनर के चालक ने उनको सामने से टक्कर मार दी। कंटेनर की टक्कर लगने से चारों युवक हवा में उछलकर सड़क पर गिरने से गंभीर घायल हो गए। बताया गया है कि कंटेनर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं चारों युवक भी लहुलुहान हो गए। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही कम्मू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को चिकित्सालय पहुंचाया। घायलों में एक युवक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

प्रीतम अध्यक्ष और कैलाश उपाध्यक्ष बने

ग्वालियर। दि ग्वालियर होलसेल क्लॉथ मर्केन्टाइल एसोसिएशन के चुनाव सोमवार को संपन्न हुए। इसमें कुल 73 मत पड़े। चुनाव में अध्यक्ष प्रीतम सिंह बघेल (37 मत), उपाध्यक्ष कैलाश मित्तल (निर्विरोध), मानसेवी सचिव विजय जाजू (निर्विरोध), सह सचिव बसंत अग्रवाल (44 मत) और कोषाध्यक्ष सुनील सरावगी (51 मत) बने।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर प्रभात फेरी 22 को

ग्वालियर। श्री करौली वालान अग्रवाल पंचायत द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती पर 22 सितंबर सोमवार को प्रभात फेरी निकाली जाएगी। पंचायत के सचिव सुनील अग्रवाल सनी ने बताया कि प्रभात फेरी दाल बाजार, इंदरगंज चौराहा, पुराना हाईकोर्ट, लोहिया बाजार होते हुए पुनः करौली वालान मंदिर पर विराम लेगी। मंदिर पहुंचकर महाराजा अग्रसेन जी की आरती होगी। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण होगा।

शिक्षकों की सेवा और सुरक्षा के लिए दिया ज्ञापन

ग्वालियर। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला ग्वालियर द्वारा उच्चतम न्यायालय द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को सभी सेवारत शिक्षकों पर अनिवार्य करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम एक ज्ञापन जिलाधीश को सौंपा है। शिक्षक संघ ने कहा कि इस निर्णय से देशभर के लाखों शिक्षकों की सेवा एवं सुरक्षा पर संकट आ जाएगा। ज्ञापन देने वालो में वेदपाल परमार, सतेन्द्र पाण्डे, जीतेन्द्र जोशी, मुकेश किरार, सीमा सिकरवार, सुनील चौहान और दिनेश शर्मा आदि शामिल हैं।

अभियंता दिवस कार्यक्रम निरस्त

ग्वालियर। सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव विष्णु कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि 17 सितंबर को चेम्बर भवन में आयोजित होने वाला अभियंता दिवस कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन के कार्यकारी प्रान्ताध्यक्ष एसके शर्मा की धर्म पत्नी के दुखद निधन के कारण निरस्त किया गया है।

पूर्व रणजी खिलाड़ी मौहम्मद आरिफ का निधन

ग्वालियर। ग्वालियर के शानदार ऑल राउंडर एवं पूर्व रणजी खिलाड़ी मोहम्मद आरिफ (मुवीन) का बीमारी के चलते सोमवार को निधन हो गया। ग्वालियर के वरिष्ठ खिलाड़ी और आरिफ के प्रशिक्षक इंद्रजीत शिंदे ने बताया कि 16 सितम्बर मंगलवार को सुबह 11 बजे स्व.आरिफ को कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

डेंगू के तीन नए मरीज मिले

ग्वालियर। जिले में डेंगू का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय और जिला अस्पताल की लैब रिपोर्ट में 52 संदिग्ध मरीजों की जांच की गई, जिनमें से तीन मरीज डेंगू संक्रमित पाए गए। इनमें ग्वालियर के तीन और एक अन्य जिले का मरीज शामिल है। ग्वालियर में जिनकी रिपोर्ट पाजिटिव आई है, उनमें तीन साल की बच्ची, 26 वर्षीय महिला और 38 वर्षीय युवक शामिल हैं। ये मरीज क्रमशः मोतीझील, हुजरात पुल और कुम्हरपुरा ठाटीपुर क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इन इलाकों में सर्वे और फॉगिंग की कार्रवाई शुरू कर दी है ताकि संक्रमण के फैलाव को रोका जा सके। जनवरी से अब तक जिले में कुल 124 डेंगू पाजिटिव मरीज सामने आ चुके हैं।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर का स्वागत

ग्वालियर। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के सोमवार को शताब्दी एक्सप्रेस से ग्वालियर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। ट्रेन से निकलते ही कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से लाद दिया। स्वागत करने वालों में सभापति मनोज तोमर, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जैन, देवेश शर्मा, विनय जैन, रामेश्वर सिंह भदोरिया, अंशुल श्रीवास्तव, राजेश दुबे, धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा, विवेक शर्मा, अर्पित भार्गव, सुरेश बघेल, शिव सिंह बघेल, हरिओम झा, उमेश सिंह भदौरिया, गुड्डू रत्नाकर, यश शर्मा, अंबरीश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

रास्ते को लेकर विवाद, कुल्हाड़ी से सिर फोड़ा

ग्वालियर

घाटीगांव थाना क्षेत्र में रास्ते को लेकर दो पक्षो में विवाद हो गया। झगड़े में एक ही परिवार के चार लोगों को कुल्हाड़ी मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने घायलों को चिकित्सालय में भर्ती कराने के बाद घटना की जांच प्रारंभ कर दी है।

सिमरिया टांका निवासी महेन्द्र कुशवाह का छविराम कुशवाह, बंटी, अनिल कुशवाह और धारा कुशवाह से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा है। दोनों पक्षों में आए दिन झगड़ा होता रहता है। एक ही रास्ते से दोनों पविारों का आना जाना है। महेन्द्र ने रात के समय अपनी मोटर साइकिल रास्ते में रख दी थी। जब दूसरे पक्ष को पता चला तो एक बार फिर विवाद होने लगा। दोनों ही पक्ष आमने सामने आ गए। छविराम, बंटी कुशवाह, अनिल और धारा कुशवाह घर से लाठी व कुल्हाड़ी लेकर आए और उन्होंने महेन्द्र पर हमला कर दिया। महेन्द्र को बचाने उसका भाई पूरन व अन्य परिजन आए तो उन पर भी हमला कर दिया। झगड़े में महेन्द्र का कुल्हाड़ी मारने से सिर फट गया। झगड़े में चार लोग घायल हो गए। झगड़े की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। इस संबंध में घाटीगांव थानाप्रभारी जीवनलाल माहौर का कहना है कि दोनों पक्षों में रास्ते को लेकर पुराना झगड़ा चल रहा है। पुलिस ने घायल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कुशवाह के खिलाफ मामला कायम कर लिया है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पनिहार के मजदूर परिवार की कहानी ने रचा इतिहास

ग्वालियर। महज 11 दिनों में तैयार ग्वालियर के पनिहार व आसपास के इलाकों में शूट हुई फिल्म विमुक्त, इन द सर्च ऑफ स्काई को विश्व प्रसिद्ध कनाडा के टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एशियन फिल्म के अवार्ड से नवाजा गया। गौरव की बात है कि फेस्टिवल में आईं हजारों फिल्मों में इस फिल्म ने शानदार अभिनय, पिक्चराइजेशन और स्टोरी की दम पर बाजी मारी। फिल्म की कहानी ग्रामीण परिवेश में संघर्ष करते एक मजदूर परिवार की है। ग्वालियर में बनकर तैयार हुई यह फिल्म विश्व स्तर पर अपना नाम दर्ज करा चुकी है। ग्वालियर के पनिहार, बरई, पवा व पावटा इलाके में 11 दिन में शूट की गई फिल्म विमुक्त की कहानी एक ऐसे मजदूर की कहानी है जो ईट-भट्टे पर मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता है, वहीं इसका बेटा जो कि मानसिक रूप से विकलांग है, के इर्द-गिर्द इस कहानी को साकार किया गया है। जिसका क्लाइमेक्स सीन प्रयागराज में कुंभ के दौरान शूट किया गया था। इस फिल्म के डायरेक्टर ग्वालियर के जितांक सिंह गुर्जर है। फिल्म की प्रोड्यूसर पूजा विशाल शर्मा, आकर्षी भानुशाली, पूनम खरे, मधु शर्मा एवं पत्रकार अर्पण राउत हैं। फिल्म की डीओपी शैली शर्मा एवं प्रोडक्शन हेड पूनम रजनीश खरे हैं। फिल्म के मुख्य पात्रों में निखिल यादव, राघवेंद्र भदौरिया व मेघना अग्रवाल हैं।

लावारिस अस्थियों को गंगा में विसर्जित किया

ग्वालियर, न.सं.। स्वामी विवेकानंद सेवा समिति द्वारा दो लावारिस अस्थियों को सोरों गंगा में विसर्जित किया गया। समिति के अध्यक्ष नूतन श्रीवास्तव ने बताया की समिति द्वारा हर वर्ष श्राद्ध पक्ष पर जो लावारिस अस्थियां होती हैं जिनका कोई बारिश नहीं होता। सोमवार को लक्ष्मीगंज शमशान घाट जाकर दो लावारिस अस्थियों का पंडित आकाश शर्मा द्वारा विधि विधान से पूजन करवाया गया एवं उन हस्तियों को सोरों गंगा जी में विसर्जन करवाया गया।

माधव शिक्षा महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर हुआ व्याख्यान

ग्वालियर, न.सं.। माधव शिक्षा महाविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राध्यापक डॉ. मंदाकिनी शर्मा ने वर्तमान में हिंदी भाषा की उपयोगिता एवं उसे रोजगार उन्मुख कैसे बनाया जाए विषय पर पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से व्याख्यान दिया। उन्होंने हिंदी विज्ञापनों और फिल्मी दुनिया के उदाहरणों से समझाया कि भाषाई कौशल से रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. विवेक भदौरिया और डॉ. मंदाकिनी शर्मा द्वारा सरस्वती पूजन से हुआ, सरस्वती वंदना श्रीमती वासंती संत ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ. मनीषा पाठक और आभार डॉ. नीतू द्विवेदी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इंजीनियर कर्मयोगी होते हैं: अमर कुटे

ग्वालियर। स्वामी विवेकानंद मंडल भाजपा द्वारा सोमवार को अभियंता दिवस मनाया गया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अमर कुटे ने कहा कि इंजीनियर केवल मशीन नहीं बनाते वो हमारे सपनो को हकीकत में बदलने वाले कर्मयोगी होते हैं। इस अवसर पर मंडल के दिनेश जैन, नितिन शिवहरे, जयसिंह सेंगर, सुनील भदौरिया, लव राठौर, भोला बांगडे, विक्की जैन आदि उपस्थित रहे।

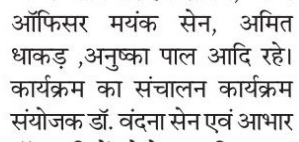

विकसित भारत के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना की अहम भूमिका

ग्वालियर

शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, ग्वालियर में नव प्रवेशित छात्रों हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी डॉ. सुयश ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हॉकी संघ के उपाध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि रासेयो विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है। नवप्रवेशित छात्रों को अधिकाधिक संख्या में रासेयो कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रासेयो जिला संगठक डॉ. मनोज अवस्थी ने छात्रों को रासेयो की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. एसएस सेंगर ने की। रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशाल कदम, डॉ. राजेश छात्रे, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एके बरैया एवं डॉ. एचएस जाटव, डॉ. एके पांडे, डॉ. अंकिता सोनी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं और रासेयो के श्रेष्ठ राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित पूर्व छात्र युवराज यादव आकाश सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस पर व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

स्व भाषा के प्रति हो गौरव का भाव : पाठक

ग्वालियर

स्व भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और पहचान की धरोहर है। इसलिए स्व भाषा के प्रति हमारे अंदर गौरव का भाव होना चाहिए।

यह बात वस्तु एवं सेवा कर के संयुक्त आयुक्त डॉ.अनुराग पाठक ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। पार्वती बाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में पीजीवी महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षा प्राचार्य डॉ.सुनील पाठक ने की। अतिथि के रूप में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के प्रांत संयोजक डॉ.धीरेंद्र सिंह भदौरिया, शिक्षा में स्वायत्तता क्षेत्र संयोजक डॉ.राजेंद्र वैद्य, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संभाग संयोजक राजकुमार वाजपेयी उपस्थित रहे। डॉ.वैद्य ने कहा कि हिंदी भाषा संस्कृति की संवाहक है। डॉ. भदौरिया ने हिंदी को भारत का गौरव गान बताया।

प्राचार्य डॉ.पाठक ने हिंदी को एकता के सूत्र में बांधने एवं संस्कृति का संवर्धन करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि परिचय त्रिष्टुप चंसौलिया एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का गीत सविता शर्मा ने प्रस्तुत किया। श्री वाजपेयी ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के उद्देश्य के बारे में प्रकाश डाला। तत्पश्चात हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्लोगन, निबंध ,काव्य पाठ एवं प्रश्न मंच आदि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही एनसीसी कैडेट्स को एनसीसी रैंक प्रदान की गई। जिसमें सीनियर अंडर ऑफिसर हर्ष शाक्य, अंडर ऑफिसर मयंक सेन, अमित धाकड़ ,अनुष्का पाल आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ. वंदना सेन एवं आभार डॉ. स्वाति पेंडसे ने व्यक्त किया।

सम्पादकीय

देश को फिर गुलाम बनाने की तैयारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी माने जाने वाले कारोबारी गौतम अडानी को बिहार में बिजली संयंत्र लगाने का बड़ा ठेका मिला है। कांग्रेस का आरोप है कि बजट में भाजपा ने घोषणा की थी कि इस संयंत्र को सरकार लगाएगी, लेकिन अब ठेका, संयंत्र लगाने के लिए जमीन और बिजली बेचने का अधिकार सब अडानी समूह को दिया गया है। सरकार ने अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। देश को निजीकरण की जंजीरों में किस तरह जकड़ा जा रहा है, यह उसका ताजा उदाहरण है। जब भारत की प्राकृतिक संपदा और आर्थिक समृद्धि को देखकर अंग्रेज व्यापार करने आए थे, तब ईस्ट इंडिया कंपनी की लुभावनी बातों और आकर्षक सौदों में फंसकर राजाओं ने उन्हें मनमाने नियमों के साथ व्यापार करने की अनुमति दी। बदले में राजाओं को सैन्य मदद या किसी और किस्म का निजी लाभ मिल जाया करता था। इन सौदों में प्रजा के हितों के लिए कोई जगह नहीं थी। जिस प्रजा से तरह-तरह के कर वसूले जाते थे, उसके बारे में न राजाओं ने न ईस्ट इंडिया कंपनी ने कुछ सोचा। नतीजा देश की दो सौ साल की गुलामी के रूप में सामने आया। तब की प्रजा आजाद भारत में नागरिक बन गई, उसे सरकार चुनने का हक देकर शक्ति संपन्न किया गया। लेकिन मौजूदा सरकार ईस्ट इंडिया काल की तरह ही अभी फिर से जनता को प्रजा बनाने में लगी है, ताकि आज के व्यापारियों को मनमाने लाभ कमाने की छूट मिले। देश में अब जो बची-खुची प्राकृतिक संपदा रह गई है, उसे भी हड़प कर भारत को नयी गुलामी की तरफ धकेला जा रहा है। अडानी समूह ने एनडीए शासित बिहार में राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 साल के बिजली आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भागलपुर जिले के पीरपैंती में बनने वाले बिजली संयंत्र से राज्य को बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। पीरपैंती आने वाले वक्त में बिहार का ऊर्जा हब बन जाएगा, ऐसा कंपनी का दावा है। अडानी समूह के मुताबिक इस परियोजना में लगभग तीन अरब डॉलर (26,482 करोड़ रुपये) का निवेश होगा और इससे कम से कम 12 हजार लोगों के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अगले पांच साल में संयंत्र काम करने लग जाएगा, ऐसा कंपनी का अनुमान है। मतलब अगले चुनाव पर फिर इस संयंत्र के आधार पर वोट मांगने की तैयारी होगी। क्योंकि अभी नरेन्द्र मोदी ने इस का शिलान्यास किया है, अगले चुनाव में वे कहेंगे कि बिजली उपलब्धता के लिए हमें वोट दीजिए। जिस काम को करना सरकार की प्राथमिकता होना चाहिए, जो उसकी जिम्मेदारी है और जनता का बुनियादी हक है, उसे चुनावी मुद्दा भाजपा ने बनाया है। अडानी समूह की तरफ से बिजली आपूर्ति, उद्योगों को लाभ, रोजगार के मौके जैसी बातें कही जा रही हैं, जो बताता है कि विकास की चकाचौंध में कैसे जनता को गुमराह किया जाता है। अडानी समूह अगर करोड़ों का निवेश कर बिजली संयंत्र लगा सकता है और इतना बिजली उत्पादन कर सकता है कि बिहार का विकास हो जाए, तो इसी काम को करने से सरकार को किसने रोका है। जब नीतीश कुमार 20 सालों से सत्ता में हैं और नरेन्द्र मोदी 11 सालों से केंद्र में हैं, तब भी दोनों मिलकर बिहार के लिए एक बिजली संयंत्र नहीं लगा सके, क्या इसे एनडीए सरकार की बड़ी विफलता के तौर पर पेश नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन भाजपा और उसका मीडिया दोनों इसे बड़ी उपलब्धि बताने में लगे हैं। गौरतलब है कि अगस्त महीने में उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने अडानी पावर को स्वीकृति पत्र जारी किया था। अडानी पावर ने 6 रुपये 75 पैसे प्रति किलोवाट घंटा की न्यूनतम दर की पेशकश कर यह अनुबंध हासिल किया। समझौते के अनुसार, प्लांट से उत्पादित बिजली सीधे बिहार की वितरण कंपनियों तक पहुँचेगी, जिससे राज्य की बिजली स्थिति में सुधार होगा। कहा जा रहा है कि यदि यह परियोजना समय पर पूरी होती है, तो यह न केवल ऊर्जा आपूर्ति की गारंटी देगी बल्कि बिहार में औद्योगिक माहौल को भी बेहतर करेगी। इस निवेश से प्रदेश की छवि एक श्निवेश-अनुकूल राज्यश के रूप में बन सकती है। ऐसे ही लुभावने सपने ईस्ट इंडिया कंपनी ने भी उस समय के राजाओं को दिखाए थे, जो आखिर में ये तक मानने लगे थे कि अंग्रेज हैं तो उनका उद्धार होगा, वर्ना वे अपने दम पर कुछ कर ही नहीं सकते। जिन राजाओं ने ऐसा नहीं माना, उनकी न केवल सत्ता छीनी गई बल्कि मौत के घाट भी उतारा गया।दुखद है कि देश को एक बार फिर गुलामी की राह पर चलने के लिए मोदी सरकार मजबूर कर रही है। बताया जा रहा है कि भागलपुर में जो 1020 एकड़ जमीन 30 साल की लीज पर अडानी समूह को दी गई है, वो एक रूपए में दी गई है। जमीन को बंजर बताया गया है, जबकि वहां आम और लीची के पेड़ लगे हैं, संयंत्र लगाने के लिए कम से कम 10 लाख आम के पेड़ काटे जाएंगे, ऐसी खबर भी आई है।

इतिहास का विराट व्यक्तित्व, जिसने बदल दिया राष्ट्र का स्वरूप

अक्टूबर 2001 का पहला सप्ताह....दिल्ली की फिजाओं में शाम के वक्त गुलाबी सर्दी ने दस्तक देनी शुरू कर दी थी..संसद से कुछ ही दूरी पर स्थित रफी मार्ग की आईएनएस बिल्डिंग के सामने संजय की चाय का ठीया रोजाना की तरह गुलजार था..देशभर के अखबारों और टीवी चैनलों के रिपोर्टरों की शाम की चाय की चुस्कियों के साथ यहीं गुजरती थी..इन चुस्कियों के बीच से ही खबरें भी छनकर आती थीं...इसी बीच बीजेपी कवर करने वाला एक पत्रकार सड़क पारकर आता दिखा..आते ही उसने पहले से उपस्थित लोगों के सामने एक प्रश्न उछाल दिया, मुंह बिचकाने और इसे असंभव मानने वाले पत्रकारों की भी सोच अपनी जगह सही थी..नरेंद्र मोदी उन दिनों भारतीय जनता पार्टी के महासचिव भले ही थे, लेकिन उनके पास ना तो चुनाव लड़ने का अनुभव था, ना ही कभी किसी प्रशासनिक पद को संभालने का...तब तक की राजनीति के लिहाज से किसी राज्य का मुख्यमंत्री बनने के लिए ये प्राथमिक योग्यताएं होती थीं.. नरेंद्र मोदी का चयन कहा जाता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था..तब गुजरात भाजपा तत्कालीन मुख्यमंत्री केशु भाई पटेल और शंकर सिंह बाघेला खेमे के बीच बंटी हुई थी। राज्य बीजेपी में पांच साल पहले गुटबाजी के चलते जो हुआ था, वह राजनीति की दुनिया की शर्मनाक घटनाओं में शुमार है..तेरह दिनी सरकार के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सम्मान समारोह में जो हुआ, वह इतिहास हो चुका है.. गुजरात में बीजेपी की सरकार तो थी, कुछ महीने पहले पड़े अकाल के चलते राहत कार्यों के लेकर हलकान थी। अगर संगठन में एकता होती तो सरकार अपना सारा ध्यान अकाल राहत पर होता, लेकिन गुटबाजी के चलते ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था..राज्य बीजेपी का समर्थक पटेल खेमा अपने नेता के साथ खड़ा था तो क्षत्रिय समेत दूसरी जातियां बाघेला के साथ। ऐसे में सरकार का प्रदर्शन हिचकोले तो खा ही रहा था, बीजेपी की संभावनाएं भी कमजोर हो रही थीं.. ऐसे माहौल में बीजेपी के आलाकमान का ध्यान संघ के प्रचारक रहे गुजराती मूल के नरेंद्र मोदी की ओर गया। अटल जी के दफ्तर ने जब उन्हें फोन कर के प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचने के संदेश दिया, तब आज की तरह मोबाइल ज्यादा नहीं होते थे..तब मोदी दिल्ली के निगम बोध घाट पर संसद हमले में घायल कैमरामैन के निधन के बाद उसके अंत्येष्टि में शामिल थे। एक राष्ट्रीय चैनल के उस कैमरामैन के शोक संतप्त परिवार को धीरज बंधा रहे मोदी के पास फोन आया और उनकी जिंदगी ही बदल गई। नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 के दिन गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अभी वे प्रशासन को समझ ही रहे थे, सूखा ग्रस्त गुजरात के लोगों और किसानों के राहत के लिए प्रयासरत ही थे, कि प्रकृति ने उनकी बड़ी परीक्षा ले ली। 26 जनवरी 2002 के दिन कच्छ में जबरदस्त भूकंप आया। इस भूकंप में जान-मान की व्यापक क्षति हुई। गुजरात जैसे हिल गया। लेकिन नरेंद्र मोदी ने इसे चुनौती की तरह लिया। गुजरात के नवनिर्माण का उन्होंने संकल्प लिया। भीगी आंखों वाले कच्छ के आंसुओं को पोछा, और देखते ही देखते अपने कुशल नेतृत्व और सूझबूझ के साथ गुजरात को देश के प्रतिष्ठित राज्यों में स्थापित कर दिया। भारत को आजादी देते वक्त ब्रिटिश सरकार के कई कारिंदों को उम्मीद थी कि भारत जल्द ही बिखर जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल तो मानते थे कि भारत की आजादी देर तक नहीं टिकेगी। लेकिन भारत ने अपना संविधान तैयार किया। संविधान ने पहले ही चुनाव से वयस्क और बराबरी का मतदान अधिकार दिया। स्त्री-पुरूष. ऊंच-नीच, जाति, धर्म का कोई भेद नहीं रखा। इसी संविधान की बुनियाद पर देश आगे बढ़ता रहा। इसी संविधान की ही सफलता है कि गुजरात के वडनगर के एक निम्न मध्यवर्गीय परिवार में जन्मा बच्चा आज भारतीय लोकतंत्र के शीर्ष पर है। प्रधानमंत्री मोदी की जीवन यात्रा जहां उनके उत्कट देशप्रेम और राष्ट्रनिष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने जिंदगी कठोर परिश्रम एवं अध्यवसाय का भी प्रतीक है। जिस उम्र में आम नौजवान जिंदगी संवारने की कोशिश करता है, देश और समाज के लिए नरेंद्र मोदी ने उस उम्र में घर छोड़ दिया...इसकी प्रेरणा उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से मिली, जिससे उनका स्कूली दिनों से ही संपर्क रहा। 17 सितंबर 1957 को गुजरात के वडनगर में जन्मे मोदी का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से 8 साल की उम्र में जुड़ गए और स्थानीय शाखा में जाने लगे। मोदी 1960 के दशक के अंत में संघ से स्थायी रूप से जुड़े और घर-परिवार छोड़कर अहमदाबाद के मणिनगर इलाके में स्थित संघ के कार्यालय हेडगेवार भवन में रहने चले गए। इस दौरान उन्हें गुजरात के प्रांत प्रचारक लक्ष्मणराव इनामदार का स्नेह मिला। फिर वे उनके सहयोगी के तौर पर काम करने लगे। इनामदार के पास ना सिर्फ गुजरात, बल्कि महाराष्ट्र में लगने वाली संघ की शाखाओं की जिम्मेदारी थी। मोदी के कामकाज से ईमानदार इतना प्रभावित हुए कि उन्हें वे अपना मानस पुत्र मानने लगे। प्रधानमंत्री मोदी इमानदार को अपना गुरू मानते है। इन्हीं ईमानदार की संगति में मोदी 1972 में संघ के प्रचारक बने।

तब से लेकर 1985 तक उन्होंने प्रचारक के तौर पर गुजरात में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बुनियाद मजबूत करने की भूमिका निभाई। इसके अगले साल, राज्य में गुजरात नवनिर्माण आंदोलन चल रहा था। छात्रों द्वारा शुरू में शामिल हो गए। यह आंदोलन गुजरात में छात्रों द्वारा शुरू किया गया था। सुरेंद्रनगर से शुरू इस आंदोलन का मकसद गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री चिमनभाई पटेल की सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ था। प्रचारक रहते मोदी को संघ ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में काम करने के लिए भेजा गया। देखते ही देखते यह आंदोलन बिहार तक पहुंच गया। बिहार के छात्रों और नौजवानों ने जयप्रकाश नारायण की अगुआई में आंदोलन छेड़ दिया। देखते ही देखते यह आंदोलन व्यापक रूप से फैल गया। जयप्रकाश नारायण की अगुआई में चल रहे इस आंदोलन को भारतीय इतिहास में बिहार छात्र आंदोलन के नाम से जाना जाता है। इस आंदोलन के ही दौरान इंदिरा गांधी की रायबरेली से निर्वाचन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। इसी छाया में 25 जून1975 की आधी रात को इंदिरा सरकार ने देश पर आपातकाल थोप दिया। आपातकाल के दौरान देशव्यापी गिरफ्तारियां शुरू हो गईं। उस दौरान संघ के तमाम कार्यकताओं के साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी जैसे दिग्गज नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसे में संघ ने अपने कई कार्यकताओं को भूमिगत रहने का संदेश दिया। मोदी को भी भूमिगत रहने को कहा गया और मोदी भी भूमिगत हो गए। भूमिगत रहते हुए मोदी ने सरकार विरोधी साहित्य जगह-जगह बांटे, गिरफ्तार संघ कार्यकताओं के घर-परिवार की देखभाल की। इसके लिए उन्होंने विदेश में बसे गुजरात समाज के लोगों से संपर्क किया और उनसे मदद मांगी। इससे प्राप्त धन का उन्होंने आपातकाल के बाद, उन्हें इस काले दौर के पीड़ितों से गवाही इकट्ठा करने का काम सौंपा गया। इसका उद्देश्य एक किताब लिखना था। इस दौरान, वे कई जनसंघ के नेताओं से मिले और पूरे भारत की यात्रा की। जनसंघ के नेता आपातकाल के पहले शिकार थे। साल 1978 में नरेंद्र मोदी को संघ ने विभाग प्रचारक बनाया, फिर उन्हें सूरत और बड़ौदा विभाग का संघ प्रभारी बनाया गया। 1981 में, उन्हें प्रांत प्रचारक का दायित्व मिला। प्रांत प्रचारक रहते हुए उन्होंने गुजरात में संघ को प्रतिष्ठित करने में बड़ी भूमिक निभाई। इस दौरान उन्होंने संघ परिवार के कई प्रकल्पों, जैसे भारतीय किसान संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और विश्व हिंदू परिषद से समन्वय बनाया। इस बीच गुजरात में साल 1985 में हिंदू-मुस्लिम दंगे हुए। इन दंगों के पीड़ितों के लिए उन्होंने बहुत काम किया। इस दौरान नरेंद्र मोदी बड़े संगठनकर्ता के रूप में उभरे। 1985 आते-आते मोदी की संगठन क्षमता को पहचान मिली। इसकी गूंज दिल्ली तक पहुंची। साल 1986 में, जब लालकृष्ण आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बने, तो उन्होंने पार्टी कार्य के लिए मोदी को बीजेपी में भेजने की मांग की। जिसे संघ ने स्वीकार कर लिया और 1987 में, मोदी को संघ ने भारतीय जनता पार्टी में काम करने के लिए भेज दिया। इसके बाद उन्हें भारतीय जनता पार्टी की गुजरात इकाई के संगठन मंत्री की अहम जिम्मेदारी मिली। इसी दौरान राम मंदिर आंदोलन में भारतीय जनता पार्टी ने शिरकत की। पार्टी अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवाणी ने 1990 में सोमनाथ से अयोध्या की यात्रा शुरू की। भारतीय इतिहास में इसे भारतीय जनता पार्टी की रथयात्रा के रूप में जाना जाता है। आडवाणी की इस रथ यात्रा के मोदी गुजरात में प्रभारी बनाये गए। इसके एक साल बाद 1991 में, भारतीय जनता पार्टी के अगले अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी ने कन्याकुमारी से श्रीनगर तक के लिए एकता यात्रा निकाली।

ईपीएफ सेवाएं भी उपभोक्ता आयोग के दायरे में

सुप्रीम कोर्ट ने ईपीएफओ को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के दायरे में माना है। कोई भी कर्मचारी भले ही वह सेवानिवृत्त हो गया हो, ईपीएफओ की सेवाओं में कमी या सेवाओं में देरी जैसे मामलों के लिए उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करा सकता है। पीएफ राशि जमा न होना, पेंशन राशि न मिलना, या पीएफ निकासी में देरी जैसे मामलों में उपभोक्ता अदालत से न्याय प्राप्त किया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि यानि ईपीएफ से संबंधित समस्याओं के लिए कर्मचारी उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने ईपीएफओ को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के दायरे में माना है। कोई भी कर्मचारी भले ही वह सेवानिवृत्त हो गया हो, ईपीएफओ की सेवाओं में कमी या सेवाओं में देरी जैसे मामलों के लिए उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करा सकता है। पीएफ राशि जमा न होना, पेंशन राशि न मिलना, या पीएफ निकासी में देरी जैसे मामलों में उपभोक्ता अदालत से आसानी से न्याय प्राप्त किया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि यानि ईपीएफ योजना की स्थापना सन 1952 में भारत सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति बचत योजना प्रदान करने के उदेश्य से की गई थी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा प्रबंधित इस योजना में कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों की ओर से एक निश्चित राशि का योगदान अनिवार्य है, जिसका उपयोग सेवानिवृत्ति, नौकरी परिवर्तन या जीवन की विशिष्ट घटनाओं जैसे चिकित्सा आपात स्थिति या घर खरीदने पर किया जा सकता है। ईपीएफ का उद्देश्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद उनके जीवन में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस योजना में संचित धनराशि पर ब्याज मिलता है और सेवानिवृत्त होने के समय तक यह एक बड़ी राशि जमा हो जाती है। कर्मचारियों द्वारा अपनी नौकरी बदलने पर कर्मचारी के ईपीएफ खातों से धनराशि के हस्तांतरण में देरी, धनराशि निकालने में कठिनाई और खाते की शेष राशि में विसंगतियां व समस्याएं आती हैं। वही ईपीएफओ के ऑनलाइन पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों और धीमे प्रसंस्करण समय सहित समस्याओं का आना भी आम बात है। इन परिचालन चुनौतियों ने कर्मचारी सदस्यों में निराशा पैदा की है, जिसके कारण ईपीएफओ को अनुभव और दक्षता में सुधार के लिए अपने सिस्टम और ग्राहक सेवा प्रोटोकॉल को लगातार अपडेट करना पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने गत 16 जुलाई, 2025 तक उच्च पेंशन लाभ के लिए 15.24 लाख आवेदनों में से 98.5 फीसदी का निपटान कर दिया है। जिनमें केवल 4,00,573 आवेदनों को ही स्वीकृत किया गया और मांग पत्र भेजे गए। वहीं, 21,995 आवेदन अभी भी समीक्षाधीन हैं। चेन्नई और पुडुचेरी क्षेत्र में अस्वीकृति दर सबसे अधिक रही। यह मुद्दा 2014 के एक सर्कुलर से उपजा है, जिसमें उच्च पेंशन लाभों को केवल एक निश्चित वेतन सीमा से ऊपर कमाने वालों तक सीमित कर दिया गया था। हालांकि, नवंबर 2022 के अपने फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि 1 सितंबर, 2014 से पहले पंजीकृत ईपीएफ सदस्य, जो या तो अभी भी कार्यरत हैं या उस तिथि के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं, वे वास्तविक वेतन के आधार पर उच्च पेंशन के पात्र हैं, न कि निर्धारित सीमा के आधार पर। कर्मचारियों की कर्मचारी भविष्य निधि को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने साल 2014 कर्मचारी पेंशन (संशोधन) योजना को वैध ठहाराया है। हालांकि कोर्ट ने पेंशन कोष में शामिल होने के लिए 15,000 रुपये मासिक वेतन की सीमा को रद्द कर दिया है। बता दें कि 2014 के इस संशोधन ने अधिकतम पेंशन योग्य वेतन (मूल वेतन और महंगाई भत्ता मिलाकर) की सीमा 15,000 रुपये प्रति माह तय की थी। जबकि संशोधन से पहले, अधिकतम पेंशन योग्य वेतन 6,500 रुपये प्रति माह था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 2014 कर्मचारी पेंशन (संशोधन) योजना को वैध ठहाराया है. हालांकि पेंशन कोष में शामिल होने के लिए 15,000 रुपये मासिक वेतन की सीमा को रद्द कर दिया। बता दें कि साल 2014 के संशोधन ने अधिकतम पेंशन योग्य वेतन (मूल वेतन और महंगाई भत्ता मिलाकर) की सीमा 15,000 रुपये प्रति माह तय की थी जबकि पहले अधिकतम पेंशन योग्य वेतन 6,500 रुपये प्रति माह था। आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा जिन कर्मचारियों ने पेंशन योजना में शामिल होने के विकल्प का इस्तेमाल नहीं किया है, उन्हें छह महीने के भीतर ऐसा करना होगा। पात्र कर्मचारी जो अंतिम तारीख तक योजना में शामिल नहीं हो सके, उन्हें एक अतिरिक्त मौका दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने सन 2014 की योजना में इस शर्त को अमान्य करार दिया कि कर्मचारियों को 15,000 रुपये से अधिक के वेतन पर 1.16 प्रतिशत का अतिरिक्त योगदान देना होगा। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों को राहत मिली है और भविष्य में भी न्याय के लिए उनके लिए उपभोक्ता अदालत के दरवाजे खुले हैं।

भारत : घृणास्पद भाषण और राजनीति का बढ़ता चक्र

राम पुनियानी

सांप्रदायिक हिंसा भारतीय राजनीति का अभिशाप रही है। यह सांप्रदायिक राजनीति का आधार भी बनती है जिसका उद्देश्य समाज को धर्म के आधार पर बाँटना है। इस नफरत की नींव अंग्रेजों ने रखी, जिन्होंने श्फूट डालो और राज करोश की नीति अपनाई। शुरूआत में, इतिहास के सांप्रदायिक दृष्टिकोण का इस्तेमाल करके ऐसा किया गया। इसे एक तरफ मुस्लिम लीग और दूसरी तरफ हिंदू महासभा-आरएसएस ने समानांतर और विपरीत दिशाओं में विकसित किया। इससे सांप्रदायिक हिंसा की उत्पत्ति और विकास हुआ। इतिहास में धीरे-धीरे अन्य भावनात्मक मुद्दे जुड़ते गए और श्दूसरेश समुदाय के प्रति नफरत बढ़ती गई। हिंसा बढ़ने लगी, जिससे विभाजन-पूर्व जैसी भयावह हिंसा हुई। विभाजन की त्रासदी के बाद यह श्दूसरों से नफरतश का चक्र नियमित रूप से दोहराया जाता रहा। विभाजन-पूर्व हिंसा की गतिशीलता बहुत अलग थी और दोनों समुदाय समान रूप से इसमें शामिल थे। विभाजन के बाद, मुस्लिम सांप्रदायिकता के प्रमुख तत्वों के पाकिस्तान चले जाने के साथ, हिंसा मुख्य रूप से मुस्लिम-विरोधी हिंसा में बदल गई। मुस्लिम समुदाय के प्रति नफरत धीरे-धीरे बढ़ने लगी और सामाजिक चेतना में और गहरी जड़ें जमाती चली गई। आरएसएस की शाखाओं में महान हिंदू राजाओं और दुष्ट मुस्लिम राजाओं की कहानियों के जरिए पैदा की जाने वाली नफरत, और उसके द्वारा संचालित स्कूलों और मीडिया के जरिए फैलाई जाने वाली नफरत, 1977 के बाद और भी बढ़ गई, जब सूचना और प्रसारण मंत्री के रूप में लाल कृष्ण आडवाणी ने यह सुनिश्चित किया कि समाचार एजेंसियों में सांप्रदायिक मानसिकता वाले लोग घुसपैठ करें। मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही, मोदी के करीबी कॉर्पोरेट घरानों ने प्रमुख समाचार पोर्टलों को खरीदना शुरू कर दिया, जिससे भारतीय मीडिया गोदी मीडिया में तब्दील हो गया। सोशल मीडिया और भाजपा आईटी सेल ने इसमें और इजाफा किया। मुस्लिम समुदाय और बाद में ईसाई समुदाय के खिलाफ सीधे-सीधे हमले प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए और नीचे तक पहुँचकर सामाजिक सोच में अपनी जगह बनाने लगे। मोदी ने बड़ी चतुराई से नफरत भरे नारे गढ़े, जैसे जिनके ज्यादा बीवी-बच्चे हैं, उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है, श्मशान घाट, कब्रिस्तान, और ऐसे ही कई नारे मौखिक प्रचार के जरिए प्रचलित हुए और सोशल मीडिया पर खूब लोकप्रिय हुए। ये चतुराई भरे सूत्र तार्किक रूप से बिगड़ते गए। अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। अब नए सूत्र इस हद तक सामने आ रहे हैं कि हिंदुओं से हथियार रखने का आह्वान किया जा रहा है क्योंकि हिंदू खतरे में हैं। स्वाति चतुर्वेदी की एक महत्वपूर्ण किताब आई है, ष्आई वाज अ ट्रोलष। आईटी सेल की दुनिया पर गहरी नजर डालते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे सोशल मीडिया के जरिए नफरत फैलाने के लिए कई युवाओं को काम पर लगाया जाता है। कुणाल पुरोहित की पुस्तक श्द हिंदी पॉपश एक आंख खोलने वाली पुस्तक है। उनकी अग्रणी जांच, जो इस महत्वपूर्ण पुस्तक एच-पॉप में प्रस्तुत की गई है, में उन्होंने जमीनी स्तर पर काम के माध्यम से लोकप्रिय पॉप गायकों को उजागर किया और पाया कि सांप्रदायिक सामग्री उनके गीतों का केंद्रीय विषय है, जो अपने आकर्षक संगीत के कारण लोकप्रिय हो गए। प्रमुख पॉप गायकों के विश्लेषण के माध्यम से, पुरोहित ष... क्रमशः पॉप संगीत, कविता और प्रभावशाली संस्कृति की जांच करते हैं। एच-पॉप कई स्तरों पर काम करता हैरू हिंदुत्व पॉप की दुनिया में एक मानवशास्त्रीय गहन गोता, ... भाजपा और अन्य हिंदुत्व संगठनों के साथ उनके (गायकों) संबंधों के बारे में खोजी पत्रकारिता , और हिंसा भड़काने में संगीत, कविता और पॉप संस्कृति की भूमिका का अकादमिक विश्लेषण ष और ष हिंदुत्व पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा पॉप संस्कृति का व्यापक हथियारीकरणरू सत्तारूढ़ दल के नेता खुलेआम नफरत भरे भाषण देते हैं और नफरत भरी रैलियां करते हैं, स्कूल की पाठ्यपुस्तकें हिंदुत्व के इतिहास को तथ्य के रूप में बेचती हैं, पूजा प्रसन्ना (न्यूज मिनट) ने अपने वीडियो ष्केरल के दक्षिणपंथ से हिंदुत्व पॉप तक सांप्रदायिक रंगष्में, जो उनके एक सहकर्मी द्वारा किए गए शोध पर आधारित है, हमें बताया है कि केरल में कई हिंदू देर रात (रात 11.30 बजे) के बाद चौट रूम में मुसलमानों के खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा के लिए स्थानीय आरएसएस शाखा के संपर्क में रहने को कहा गया है। वे मुसलमानों को खघ्तरा और एक टिक-टिक करता बम बताते हैं।

प्रदूषण के पटाखे

भारत जैसा देश, जो दुनिया भर के प्रदूषित देशों में पांचवें नंबर पर हो, जहां दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर हो और तेरह अन्य शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हों, वहां हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। लेकिन विडंबना यह कि इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा केवल दिल्ली के प्रदूषण और पटाखों पर अंकुश लगाने को लेकर होती है। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। वैसे तो राष्ट्रीय राजधानी में वायु दूषित होने के तमाम कारक हैं, लेकिन पटाखों से होने वाले प्रदूषण की चर्चा गाहे-बगाहे होती है। खासकर कुछ प्रमुख त्योहारों के मौके व निजी समारोहों में जलाये जाने वाले पटाखों को लेकर लगातार सवाल उठाये जाते हैं। इसकी वजह यह है कि यह प्रदूषण का ऐसा कारण है जिससे बचा जा सकता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि दिवाली आदि के मौके पर हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट देखी जाती है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है। कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायनिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है। लेकिन हम इसके बावजूद निजी सुख के लिये दूसरों के जीवन से खिलवाड़ से परहेज नहीं करते। सही मायनों में असली खुशी वही होती है जिससे हमारा समाज सुखी, स्वस्थ और खुश रह सके। अब चाहे हमारे त्योहार हों या निजी उत्सव, वे समाज के लिये अहितकारी नहीं होने चाहिए। देर-सवेर इस संकट की कीमत हर नागरिक को चुकानी पड़ती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बनीर्हाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। यही वजह है कि अदालत को कहना पड़ा कि साफ हवा देश के हर नागरिक का अधिकार है। ऐसे में हमें दिल्ली या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की चिंता के साथ ही शेष देश की भी चिंता गंभीरता से करनी चाहिए। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि दिल्ली में पटाखों पर नियंत्रण का जो भी फामूर्ला बने, उसे सारे देश में भी लागू करना चाहिए। यह संकट सारे देश का है। एक नागरिक के तौर पर हमारा जिम्मेदार व संवेदनशील व्यवहार ही हमें इस संकट से उबार सकता है। विगत में सख्त कानून लागू करने के बावजूद नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से प्रदूषण का संकट बढ़ा ही है।

महिला वनडे विश्व कप से पहले टीम इंडिया को मिला बड़ा बूस्ट, स्मृति मंधाना बनीं नंबर एक बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे में फिर से नंबर एक बल्लेबाज बन गई हैं। आईसीसी की ताजा महिला वनडे रैंकिंग में उन्होंने फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में अर्धशतक जड़ने के बाद मिली। मुल्लांपुर में खेले गए तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में मंधाना ने 63 गेंदों में 58 रन बनाए, लेकिन उनका यह प्रयास बेकार गया क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से लक्ष्य का पीछा कर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। वर्ल्ड कप से पहले बड़ा बूस्ट नंबर एक रैंकिंग 30 सितंबर से शुरू होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप से पहले मंधाना के आत्मविश्वास को बढ़ावा देगी। इस अर्धशतक से उन्हें सात रेटिंग प्वॉइंट्स मिले और वे इंग्लैंड की नैट स्किवर-ब्रंट से चार अंक आगे निकल गईं, जो अब दूसरे स्थान पर हैं।

नॉमिनेशन में हुआ बड़ा 'खेला', इन 5 कंटेस्टेंट्स पर लटकी बेघर होने की तलवार

रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' में इस बार नॉमिनेशन की प्रक्रिया में बड़ा ट्विस्ट आया। इस हफ्ते आखिर किस-किस कंटेस्टेंट पर एविक्शन की तलवार लटकी है, चलिए जानते हैं। टीवी की दुनिया का सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' हमेशा से ही दर्शकों के लिए ड्रामा, इमोशन और सरप्राइज लेकर आता है। सलमान खान के होस्टिंग वाले इस शो में हर हफ्ते नॉमिनेशन का दौर दिलचस्प होता है। इस बार भी घर के अंदर ऐसा ही हुआ जब नॉमिनेशन प्रक्रिया में बिग बॉस ने एक ऐसा दांव खेला, जिसने सभी प्रतियोगियों के होश उड़ा दिए। शो का माहौल पूरी तरह बदल गया और अंत में पांच कंटेस्टेंट्स पर बेघर होने की तलवार लटक गई। नॉमिनेशन का खेल शुरू घर के अंदर जब नॉमिनेशन का एलान हुआ तो सभी सदस्यों को एक साथ बुलाया गया और उनसे दो-दो नाम मांगे गए जिन्हें इस हफ्ते वो बेघर होने से बचाना चाहते हैं। हर किसी ने अपनी रणनीति के मुताबिक प्रतिद्वंदियों को नॉमिनेट किया। किसी ने दोस्ती निभाई तो किसी ने पुरानी दुश्मनी का हिसाब चुकता करने का मौका ढूंढ़ा। कभी शांत रहने वाले कंटेस्टेंट्स भी इस प्रक्रिया में आक्रामक दिखे। किसी ने गठबंधन की राजनीति खेली तो कोई बिल्कुल अकेला खड़ा नजर आया। इस बीच कई नाम ऐसे सामने आए जिनसे फैन्स भी चौंक गए। बिग बॉस का मास्टरस्ट्रोक जैसे ही घरवाले सोच रहे थे कि नॉमिनेशन का दौर सामान्य तरीके से खत्म हो जाएगा, तभी बिग बॉस ने माहौल पलट दिया। उन्होंने घरवालों को अमाल और नीलम की बातचीत का एक ऑडियो सुनाया, जिसमें दोनों नॉमिनेशन पर चर्चा करते पकड़े गए थे। यह नियमों के खिलाफ था। इस पर बिग बॉस ने सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि जब घर के सदस्य प्रक्रिया को गंभीरता से नहीं लेते, तो परिणाम भी उन्हें झेलना पड़ेगा। इसके बाद उन्होंने पूरे घर को नॉमिनेट करने का बड़ा ऐलान कर दिया। कंटेस्टेंट्स ने एक दूसरे को किया सेव हालांकि यहीं खेल खत्म नहीं हुआ। बिग बॉस ने ट्विस्ट डालते हुए सभी को एक और मौका दिया। नियम यह बना कि हर प्रतियोगी को दो ऐसे सदस्यों के नाम बताने होंगे जिन्हें वो सुरक्षित करना चाहते हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिनके नाम सबसे कम बार लिए गए, वे नॉमिनेशन की लिस्ट में चले गए। कौन-कौन हुआ नॉमिनशन का शिकार? सभी वोटिंग और चचाओं के बाद आखिरकार पांच नाम ऐसे सामने आए जिनके लिए यह हफ्ता बेहद मुश्किल साबित होने वाला है। ये सदस्य हैं – अशनूर कौर, बसीर अली, अभिषेक बजाज, नेहल चुडासमा और प्रणित मोरे। इन पांचों को अब दर्शकों के वोट का इंतजार रहेगा। शो में आया रोमांच इस पूरे घटनाक्रम ने बिग बॉस 19 के घर का माहौल पूरी तरह बदल दिया है। जहां एक ओर प्रतियोगी अपनी-अपनी रणनीति पर पुनर्विचार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दर्शक भी सोच में पड़ गए हैं कि आखिर आने वाले वीकेंड पर सलमान खान किसका टिकट काटेंगे। सोशल मीडिया पर इन नॉमिनेशन्स को लेकर चर्चा जोरों पर है और फैन्स अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट को बचाने की मुहिम में जुट गए हैं।

अमाल मलिक पर भड़कीं गौहर खान, कुनिका का किया जिक्र; बोलीं-थोड़ा तो ख्याल करो

बिग बॉस 19 इन दिनों काफी चचाओं में है। हाल ही में शो में अमाल मलिक और कुनिका सदानंद के बीच बहस हो गई थी। अब इस मामले पर एक्ट्रेस गौहर खान ने अमाल की आलोचना की है। पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 के घर में आए दिन किसी ना किसी प्रतियोगियों के बीच झड़प और कहासुनी होती रहती है। हाल ही में शो में दिखा कि अमाल मलिक और कुनिका सदानंद के बीच गहमागहमी हो गई थी। इसी मामले पर बिग बॉस 7 की विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अमाल पर हमला बोला है। जानिए उन्होंने क्या कहा। थोड़ा तो ख्याल करो... गौहर खान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, ह्यहां, वो बहुत नखरेबाज, अपने फैसलों को लेकर चिड़चिड़ी हैं। लेकिन मुझे बहुत बुरा लगता है कि ज्यादातर लोग कुनिका जी से कैसे बात करते हैं। वो 61 साल की हैं यार, थोड़ा तो ख्याल रखो टोन का। बिग बॉस 19 में अमाल जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। अधिकार का पद जिम्मेदारी के साथ आता है। किस बात पर भिड़े थे अमाल-कुनिका? इस समय बिग बॉस 19 में अमाल मलिक कैप्टन हैं। पिछले एपिसोड में अमाल और कुनिका सदानंद के बीच किचन के कामों को लेकर बहस हो गई थी। अमाल ने कुनिका को एक तरफ हट जाने और दूसरों को किचन संभालने देने को कहा, जिसके बाद दोनों के बीच बहस छिड़ गई। बाद में साथी प्रतियोगियों तान्या और नीलम ने कहा कि कुनिका अक्सर किसी के बीच में शामिल हो जाती हैं।

उर्वशी रौतेला के बाद अवैध बेटिंग एप मामले में आया सोनू सूद का नाम, ईडी ने पूछताछ के लिए भेजा समन

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर सुर्खियों में हैं। फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी और असल जिंदगी में गरीबों के मसीहा कहलाने वाले सोनू इस बार एक गंभीर मामले के कारण चर्चा में आए हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री उवर्शी रौतला, पूर्व सांसद मिमि चक्रवर्ती, पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और युवराज सिंह के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने एक्टर सोनू सूद को गैरकानूनी बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा है। सोनू सूद अवैध ऑनलाइन बेटिंग एप को लेकर ईडी के सवालों के घेरे में आ गए हैं। कब और क्यों बुलाए गए सोनू सूद? ईडी ने सोनू सूद को 24 सितंबर को दिल्ली स्थित मुख्यालय में पेश होने का आदेश दिया है। एजेंसी का मानना है कि उन्होंने एक ऐसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ प्रमोशनल जुड़ाव किया, जो भारत में बैन हैं। यह एप कथित तौर पर अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और पैसों की हेराफेरी में शामिल है। जांच एजेंसी इस बात की पड़ताल कर रही है कि सेलिब्रिटीज और खिलाड़ियों की ब्रांडिंग से इस एप को किस हद तक फायदा हुआ और क्या इससे जुड़े भुगतान नियमों का उल्लंघन हुआ। ईडी की जांच का दायरा प्रवर्तन निदेशालय लंबे समय से इंटरनेट पर चल रही ऐसी बेटिंग वेबसाइट्स पर नजर रख रहा है, जो भारत के कानून के खिलाफ हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए न सिर्फ सट्टेबाजी होती है बल्कि हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों की भी आशंका जताई जा रही है। अब जब इन मामलों में फिल्मी सितारों और खिलाड़ियों के नाम सामने आ रहे हैं, तो जांच का दायरा और भी बढ़ गया है। उर्वशी रौतेला को भी बुलाया गया जानकारी के मुताबिक मिमी चक्रवर्ती को 15 सितंबर और उर्वशी रौतेला को 16 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए गए हैं। जांच एजेंसी ये समझना चाहती है कि आखिर इन सितारों की भूमिका इन एप्स के प्रचार और पब्लिसिटी में किस हद तक रही है।

आलोक नाथ को मिली सुप्रीम कोर्ट से राहत, हरियाणा मार्केटिंग घोटाले में गिरफ्तारी पर रोक

अभिनेता आलोक नाथ को एक मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। हरियाणा मार्केटिंग स्कैम मामले में आलोक की गिरफ्तारी पर रोक लगाई गई है। बॉलीवुड के ह्यसंस्कारी बाबूजीह्न के नाम से पहचाने जाने वाले चर्चित अभिनेता आलोक नाथ इन दिनों एक बड़े विवाद में फंसे हुए हैं। हरियाणा में दर्ज एक कथित मार्केटिंग फ्रॉड केस में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। हालांकि, मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बड़ी राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। क्या है पूरा मामला? मामला हरियाणा की एक मल्टी मार्केटिंग कंपनी और उससे जुड़े ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड का है। यह सोसाइटी सितंबर 2016 से सक्रिय थी और कई राज्यों में अपनी शाखाएं खोल चुकी थी। संस्था ने जनता को आकर्षित करने के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट और रिकरिंग डिपॉजिट जैसी बचत योजनाओं की पेशकश की और निवेशकों को भरोसा दिलाया कि उनका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहेगा और समय पर उन्हें बेहतर रिटर्न मिलेगा। शुरूआती कुछ वर्षों तक भुगतान होता भी रहा, जिससे लोगों का विश्वास और गहरा गया। लेकिन शिकायत के अनुसार, साल 2023 में अचानक निवेशकों को परिपक्वता राशि (मच्योरिटी अमाउंट) मिलना बंद हो गया। सोसाइटी के अधिकारियों ने देरी को ह्यसिस्टम अपग्रेडेशनह्न का बहाना बनाकर टालना शुरू किया और धीरे-धीरे निवेशकों से पूरी तरह संपर्क तोड़ दिया। अभिनेता क्यों फंसे मामले में? इस धोखाधड़ी में 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े भी शामिल हैं। शिकायतकर्ता विपुल अंतिल का आरोप है कि दोनों अभिनेताओं ने इस सोसाइटी का बतौर ब्रांड एंबेसडर प्रचार किया था। उनका कहना है कि जब मशहूर हस्तियों ने इस संस्था का प्रचार किया तो लोगों ने इसे भरोसेमंद मानकर निवेश किया। पुलिस का कहना है कि अभी जांच जारी है और यह पता लगाया जाएगा कि इन दोनों सितारों की इसमें कितनी गहरी भूमिका रही। सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही मंगलवार को न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने इस मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने हरियाणा पुलिस और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया और कहा कि अगली सुनवाई तक आलोक नाथ के खिलाफ कोई भी कठोर कदम न उठाया जाए। इससे पहले इसी मामले में अभिनेता श्रेयस तलपड़े को भी शीर्ष अदालत से राहत मिल चुकी है। मामले की शिकायत और कानूनी धाराएं एफआईआर 22 जनवरी 2024 को दर्ज की गई थी। इसमें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 316(2), 318(2) और 318(4) के तहत गंभीर अपराधों का जिक्र है, जिनमें आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी प्रमुख हैं। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि यह सोसाइटी एक मल्टी लेवल मार्केटिंग मॉडल पर काम करती थी। शुरूआती रिटर्न देकर उसने निवेशकों का विश्वास जीता और बाद में लाखों रुपये हड़प लिए। गिरफ्तारी पर लगी रोक फिलहाल आलोक नाथ को गिरफ्तारी से सुरक्षा मिल गई है, लेकिन जांच जारी है। कोर्ट के अगले आदेश तक उनकी भूमिका और जिम्मेदारी की तहकीकात होगी। अगर यह साबित होता है कि उन्होंने केवल प्रचार किया और धोखाधड़ी से अनजान थे, तो उन्हें राहत मिल सकती है। लेकिन अगर उनके खिलाफ ठोस सबूत मिले तो मामला उनके लिए मुश्किल खड़ा कर सकता है।

अफवाहों ने उनकी जिंदगी में गड़बड़ कर दी, संग्राम सिंह से अफेयर पर निकिता रावल ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री पायल रोहतगी और संग्राम सिंह की शादी को लेकर इन दिनों तमाम तरह की खबरें चल रही हैं। ऐसा बोला जा रहा है कि संग्राम का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा है। अब इस पर निकिता ने चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में कुश्ती से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाले संग्राम सिंह और अभिनेत्री पायल रोहतगी की शादी को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। खबरें आ रही हैं कि संग्राम सिंह का अभिनेत्री निकिता रावल के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा है, जिससे चर्चा बढ़ गई है। लेकिन जब डिजिटल ने निकिता रावल से इस बारे में बात की तो उन्होंने इन अफवाहों को पूरी तरह नकार दिया। संग्राम मेरे अच्छे दोस्त से बातचीत में निकिता ने साफ कहा, 'संग्राम मेरे अच्छे दोस्त हैं और ये गलत खबरें पहले ही उनके निजी जीवन में बहुत गड़बड़ कर चुकी हैं। मैं इन अफवाहों से बहुत परेशान हूं। लेकिन मैं इस बारे में आगे बात नहीं करना चाहती क्योंकि यह एक निजी मामला है।' जल्द ही बयान जारी कर सकते हैं संग्राम ये सब उस समय सामने आया है जब संग्राम सिंह और पायल रोहतगी के रिश्ते को लेकर पहले से ही कई तरह की खबरें आ रही हैं, जिसमें अलगाव और मनमुटाव की बातें भी शामिल हैं। फिलहाल तो न तो संग्राम और न ही पायल ने इन अफवाहों पर खुलकर बात की है। माना जा रहा है कि संग्राम इस मुद्दे पर बहुत जल्द कोई आधिकारिक बयान जारी कर सकते हैं। पहले संग्राम ने किया था अफवाहों को खारिज इससे पहले भी संग्राम और पायल के तलाक की खबरें सामने आ चुकी है। हालांकि संग्राम ने उस समय इन अफवाहों का खंडन किया था। डिजिटल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने पायल से अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बातचीत की थी। तब डिजिटल से बातचीत में संग्राम ने कहा था, 'अगर पायल की बात करें, तो लगभग 14 साल हो गए हमारे साथ को। लोग अक्सर अटकलें लगाते हैं कि चीजें सही नहीं चल रही, लेकिन जब हम साथ में कुछ पोस्ट करते हैं या कोई इंटरव्यू आता है, तो लोग समझ जाते हैं कि सब ठीक है। हमारे रिश्ते में भी आम कपल्स जैसी खटपट होती है - कभी झगड़ा, कभी बहस, कभी समझदारी।' पहले मैं उसे बेवकूफ समझता था, अब शायद वो मुझे तब संग्राम ने आगे कहा था कि दरअसल, पायल और मैं बिल्कुल अलग सोच रखते हैं।

पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ का विवादित बयान, सूर्यकुमार

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले के बाद पूर्व पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को लेकर विवादित बयान दिया। पाकिस्तानी चैनल 'समा टीवी' पर चर्चा के दौरान यूसुफ ने सूर्यकुमार यादव का नाम गलत तरीके से लेते हुए उनके लिए ऐसे शब्द का प्रयोग किया, जिसे हम यहां लिख नहीं सकते। हिंदी में वह शब्द अपमानजनक माना जाता है। बाद में चैनल के एंकरों ने उन्हें सुधारा। हालांकि, इस दौरान एंकर और साथ बैठे लोग हंसते रहे। इसके अलावा उन्होंने भारतीय टीम को लेकर भी विवादित और बेतुका बयान दिया है। भारत की सात विकेट से धमाकेदार जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ी नाराज हैं। सूर्यकुमार यादव, जिन्होंने विजयी छक्का लगाया, मैच खत्म होते ही शिवम दुबे के साथ सीधे पवेलियन चले गए। बाद में भारतीय टीम को अपने ड्रेसिंग रूम का दरवाजा बंद करते देखा गया जबकि पाकिस्तानी खिलाड़ी तब हाथ मिलाने के लिए मैदान पर थे।

गाजा में हमास के खिलाफ इस्राइल का नया सैन्य अभियान

लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी गई

यरूशलम (एजेंसी)। इस्राइल की सेना ने गाजा सिटी में अपने

विस्तारित सैन्य अभियान की आधिकारिक शुरूआत कर दी है। सेना का कहना है कि यह कार्रवाई हमास की सैन्य संरचना को पूरी तरह तबाह करने के लिए की जा रही है। भारी हवाई हमलों के बाद इस्राइल ने चेतावनी जारी की कि गाजा सिटी के लोग तुरंत दक्षिण की ओर निकल जाएं। इस बीच गाजा के अस्पतालों में 20 शव और 90 से ज्यादा घायल पहुंचाए गए हैं। इस्राइल के अरबी भाषा प्रवक्ता अविचे अडरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑपरेशन के विस्तार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह अभियान गाजा के उत्तरी हिस्से में हमास के ठिकानों को खत्म करने के लिए है। सोमवार की रातभर जारी हमलों में कम से कम 20 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। सेना का कहना है कि हमास ने आम इलाकों में अपने ठिकाने बनाए हुए हैं, जिससे कार्रवाई और कठिन हो जाती है। गाजा सिटी से लगातार बमबारी की खबरें आ रही हैं। शिफा अस्पताल ने बताया कि पश्चिमी मोहल्लों में कई घरों पर हमले में 20 लोग मारे गए और 90 से अधिक घायल हुए हैं। डॉक्टर मोहम्मद अबू सलमियाह ने कहा कि पूरी रात बमबारी जारी रही, एक पल भी रुकी नहीं। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि पिछले एक महीने में 2.2 लाख से अधिक फलस्तीनी गाजा के उत्तरी इलाकों से पलायन कर चुके हैं। पहले यहां लगभग 10 लाख लोग रहते थे। इस्राइल का सख्त रुख रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज ने कहा कि गाजा जल रहा है। हमारी सेना आतंकवादी संरचना पर लोहे की मुट्ठी से वार कर रही है। जब तक बंधकों को आजाद नहीं करा लेते और हमास को पूरी तरह खत्म नहीं कर देते, पीछे नहीं हटेंगे। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी यही संदेश दे रहे हैं कि अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक हमास को पूरी तरह कमजोर न कर दिया जाए। बंधकों के परिवारों का प्रदर्शन इस बीच, गाजा में फंसे बंधकों के परिवारों ने नेतन्याहू के घर के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ परिवारों ने घर के सामने टेंट गाड़कर रात गुजारी और प्रधानमंत्री से अपील की कि सैन्य अभियान को रोकें और पहले बंधकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करें। ऐनाव जांगाउकर नाम की महिला ने कहा कि मेरा बेटा मटन अब भी गाजा में है। अगर नेतन्याहू बंधकों की चिंता किए बिना सैनिकों को भेजते हैं, तो वे योग्य प्रधानमंत्री नहीं हैं। इस्राइल का मानना है कि 48 में से करीब 20 बंधक अभी जीवित हैं। अमेरिकी दबाव और कूटनीति अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी संकेत दिया कि गाजा सिटी पर बड़ा हमला शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि ह्लहमारे पास सौदे की कोशिश के लिए कुछ ही दिन या हफ्ते हैं। सबसे अच्छा समाधान बातचीत से है, लेकिन समय बहुत कम है ह्व रुबियो ने माना कि लंबे खिंचे युद्ध से और भी ज्यादा खतरा है। उन्होंने जोर दिया कि अंततः हमास को खत्म करना ही एकमात्र रास्ता है।

दुर्गा पूजा से पहले मोहम्मद यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर का किया दौरा, कहा- पूरा राष्ट्र एक परिवार

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने मंगलवार को ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर का दौरा किया और आगामी दुर्गा पूजा की तैयारियों का जायजा लेते हुए हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, यूनुस ने मंदिर प्रांगण का भ्रमण किया और वार्षिक हिंदू धार्मिक उत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनुस ने कहा कि किसी भी सरकार को नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति चाहे किसी भी आस्था या विचारधारा को मानता हो, चाहे गरीब हो या अमीर, सबसे पहले वह एक नागरिक है। संविधान में सभी नागरिकों के अधिकारों की गारंटी दी गई है। यूनुस ने कहा, पूरा राष्ट्र एक बड़ा परिवार है। सरकार सभी नागरिकों के समान अधिकार और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मोहम्मद यूनुस की यह शुभकामनाएं ऐसे समय आई हैं जब अगस्त पिछले साल उनके सत्ता में आने के बाद से हिंदू समुदाय और उनके पूजा स्थलों पर हमलों की घटनाओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। यूनुस ने कहा कि नए बांग्लादेश का सबसे अहम लक्ष्य सभी नागरिकों के समान अधिकार सुनिश्चित करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसा देश बनाना होगा जहां लोगों को अपने धार्मिक त्योहार मनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता न पड़े।

डार का कबूलनामा- भारत ने ठुकराया था तीसरे पक्ष की मध्यस्थता का प्रस्ताव

ट्रंप के दावे की खुली पोल

पाकिस्तान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 30 से अधिक बार 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का दावा कर चुके हैं। भारत ट्रंप के इन दावों को लगातार खारिज करता रहा है। अब पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे की पोल खोल दी। जानें पाकिस्तान ने क्या कहा...? पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे की पोल खोल दी। पाकिस्तान विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मई में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान उनसे कहा था कि भारत ने युद्ध विराम के लिए तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार कर दिया,

क्योंकि यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दा है। हमें तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से कोई आपत्ति नहीं: पाकिस्तान एक विदेशी चैनल को दिए साक्षात्कार में डार ने कहा कि जब रुबियो से मिला तो मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने रुबियो से सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के साथ तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बारे में पूछा तो अमेरिकी अधिकारी ने उन्हें बताया कि नई दिल्ली ने इससे इनकार कर दिया है क्योंकि यह एक द्विपक्षीय मामला है। उन्होंने कहा कि हमें तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन भारत इसे द्विपक्षीय मुद्दा कह रहा है। हमें द्विपक्षीय मध्यस्थता से भी कोई आपत्ति नहीं है। जब मैं 25 जुलाई को वॉशिंगटन में विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिला तो मैंने उनसे पूछा कि वार्ता का क्या हुआ? इस पर मार्को रुबियो ने कहा कि भारत का कहना है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है। 'पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार' पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा कि हम द्विपक्षीय वार्ता के लिए तैयार हैं, लेकिन हम बातचीत के लिए भीख नहीं मांगेंगे। हम किसी चीज की भीख नहीं मांग रहे हैं। अगर कोई देश बातचीत चाहता है तो हमें खुशी होगी। हम उसका स्वागत करते हैं। हम एक शांतिप्रिय देश हैं। हमारा मानना है कि बातचीत ही आगे बढ़ने का रास्ता है। बातचीत के लिए दो लोगों की जरूरत होती है। जब तक भारत बातचीत की इच्छा नहीं रखता, हम उसे मजबूर नहीं कर सकते। ट्रंप कई बार कर चुके हैं संघर्ष विराम कराने का दावा 10 मई को भारत-पाकिस्तान में संघर्ष विराम के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 30 से ज्यादा बार दोनों देशों में संघर्ष विराम कराने का दावा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के समाधान में मदद की और दोनों देशों से कहा कि अगर वे संघर्ष रोक दें तो अमेरिका उनके साथ व्यापार बढ़ाएगा। हालांकि भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी।

बेरूत बम धमाका मामले में रूसी जहाज मालिक गिरफ्तार, विस्फोट में गई थी 218 लोगों की जान

सोफिया (एजेंसी)। बेरूत में चार अगस्त 2020 को हुए विस्फोट में 218 लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में देश

का मुख्य बंदरगाह पूरी तरह से नष्ट हो गया था और करीब तीन लाख लोग बेघर हो गए थे। मामले में बुल्गारिया ने रूसी जहाज मालिक को गिरफ्तार किया है। बेरूत में साल 2020 में बंदरगाह बम धमाका मामले में बुल्गारिया ने रूसी जहाज मालिक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि गोदाम में किए गए अमोनियम नाइट्रेट के भंडारण को उसके जहाज से जब्त किया गया था। पांच साल पहले हुए इस बम विस्फोट में 218 लोगों की मौत हो गई थी। बुल्गेरियाई राजधानी के हवाई अड्डे पर सीमा पुलिस के प्रमुख जद्रावको सामुइलोव ने कहा कि इगोर ग्रेचुश्किन (48) को छह सितंबर को साइप्रस के शहर पाफोस से सोफिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। ग्रेचुश्किन के पास रूसी-साइप्रस की दोहरी नागरिकता है। उसने गिरफ्तारी का विरोध नहीं किया, सहयोग किया और उनके सामान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। लेबनानी अधिकारियों ने मंगलवार को सबसे पहले इस गिरफ्तारी की सूचना दी थी। यह गिरफ्तारी इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर की गई थी। सामुइलोव ने बताया कि अदालत के आदेश के बाद ग्रेचुश्किन को अधिकतम 40 दिनों की हिरासत में रखा गया है। ग्रेचुश्किन को लेबनान प्रत्यर्पित किए जाने से पहले जरूरी दस्तावेज भी मांगे हैं। लेबनान के एक जांच न्यायाधीश ने पांच साल पहले इंटरपोल के जरिए दो गिरफ़्तारी वारंट जारी किए थे, एक ग्रेचुश्किन के लिए और दूसरा जहाज के कप्तान, बोरिस प्रोकोशेव के लिए। बता दें कि बेरूत में चार अगस्त 2020 को हुए विस्फोट में 218 लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में देश का मुख्य बंदरगाह पूरी तरह से नष्ट हो गया था और करीब तीन लाख लोग बेघर हो गए थे। धमाके से लगभग 10 से 15 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ। विस्फोट के सिलसिले में किसी भी लेबनानी अधिकारी को दोषी नहीं ठहराया गया।

दक्षिण चीन सागर में टकराए ड्रैगन और फिलीपींस के जहाज, तनाव और बढ़ने की आशंका

बीजिंग (एजेंसी)। दक्षिण चीन सागर के स्कारबोरो शोल के पास चीन और फिलीपींस के जहाजों की टक्कर से तनाव बढ़ गया है। चीन ने आरोप लगाया कि फिलीपींस ने उसकी नौका को टक्कर मारी और 10 से अधिक जहाज घुसपैठ की

कोशिश कर रहे थे। चीन ने हाल ही में इस क्षेत्र को नेचर रिजर्व घोषित किया था, जिसका फिलीपींस ने विरोध किया। अमेरिका और अन्य देशों ने चीन की कार्रवाई पर चिंता जताई है। दक्षिण चीन सागर में विवादित स्कारबोरो शोल के पास मंगलवार को चीन और फिलीपींस के चीन ने लगाया आरोपजहाजों के बीच टक्कर हो गई। चीन के कोस्ट गार्ड ने आरोप लगाया कि फिलीपींस की एक सरकारी नाव ने जानबूझकर उनकी नौका को टक्कर मारी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र पर दावे को लेकर पहले से ही तनाव चल रहा है। चीन के कोस्ट गार्ड ने दावा किया कि फिलीपींस की 10 से अधिक सरकारी नावें अलग-अलग दिशाओं से स्कारबोरो शोल के पास पहुंचीं। इस दौरान चीनी जहाजों ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। चीन इस क्षेत्र को ह्वांगयान द्वीप कहता है और इस पर अपना दावा जताता है। वहीं फिलीपींस इसे बाजो दे मसिनलोक कहकर अपना क्षेत्र मानता है। चीन ने घोषित किया नेचर रिजर्व, बढ़ा विवाद यह टकराव ठीक छह दिन बाद हुआ जब चीन ने स्कारबोरो शोल के एक हिस्से को राष्ट्रीय प्राकृतिक अभयारण्य घोषित कर दिया था। इस फैसले का फिलीपींस ने कड़ा विरोध किया और इसे लेकर राजनयिक विरोध दर्ज कराने की घोषणा की थी।

रूस के हमलों से दहला यूक्रेन, जेलेंस्की बोले- देश के लिए यूरोपीय वायु रक्षा प्रणाली जरूरी

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के दक्षिणी शहर जापोरिज्जिया में सोमवार रात रूस ने रॉकेटों से भीषण हमला किया। इस हमले में 13 लोग घायल हुए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हमले से 20 से ज्यादा अपार्टमेंट इमारतों को नुकसान पहुंचा और कई जगह आग लग गई। यह हमला उस समय हुआ जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूरोपीय देशों से मिलकर महाद्वीप की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली बनाने की अपील की। रूस और यूक्रेन के बीच यह युद्ध ढाई साल से ज्यादा समय से जारी है। रूस के लगातार हवाई हमलों और यूक्रेन की सीमाओं पर लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मोर्चे पर भारी लड़ाई के बावजूद शांति का कोई समाधान फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। अमेरिका की ओर से कई दौर की मध्यस्थता और बातचीत की कोशिशें हुईं, लेकिन उनका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को युद्ध रोकने के लिए कई अल्टीमेटम और समयसीमा दी, लेकिन अब तक इसका कोई प्रभाव दिखाई नहीं दिया। रूस के हमलों में बढ़ोतरी जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर जानकारी दी कि पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन पर 3,500 से ज्यादा ड्रोन, 2,500 से अधिक शक्तिशाली ग्लाइड बम और करीब 200 मिसाइलें दागी हैं। ये हमले यूक्रेन

की रक्षा प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। विशेष रूप से रूस के ग्लाइड बम, जो ऊंचाई से छोड़े जाते हैं, बेहद विनाशकारी साबित हो रहे हैं। इनसे बड़े गड्ढे बनते हैं और यूक्रेन के पास इनके खिलाफ कोई प्रभावी सुरक्षा उपाय नहीं है। नाटो पर दबाव रूसी ड्रोन हाल ही में पोलैंड की जमीन पर भी गिरे, जिसके बाद नाटो ने अपनी यूरोपीय वायु रक्षा प्रणाली को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए। इससे स्पष्ट है कि युद्ध केवल यूक्रेन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोपीय सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा बनता जा रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम यूरोप के आसमान की संयुक्त सुरक्षा सुनिश्चित करें। हमारे पास इसके लिए सभी तकनीक मौजूद है। जरूरत है निवेश, इच्छाशक्ति और मजबूत फैसलों की। जापोरिज्जिया का हाल जापोरिज्जिया में रूसी हमले ने कई परिवारों को एक बार फिर खौफ में डाल दिया। क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेदोरोव ने राष्ट्रीय टीवी पर बताया, हम अभी 30 अगस्त के हमलों से उबर भी नहीं पाए थे। इमारतों की मरम्मत और खिड़कियों की मरम्मत चल रही थी, लेकिन अब दुश्मन ने हमें और काम दे दिया है। इस हमले से साबित होता है कि रूस की रणनीति यूक्रेन के नागरिक इलाकों को लगातार निशाना बनाने की है, ताकि स्थानीय आबादी दबाव में आ जाए। शांति वार्ता की उम्मीद धुंधली युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगियों की कोशिशें जारी हैं, लेकिन अब तक सफलता हाथ नहीं लगी। ट्रंप प्रशासन के दबाव और प्रस्तावों के बावजूद रूस की ओर से कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिला। इस स्थिति ने यह साफ कर दिया है कि युद्ध लंबा खिंच सकता है और इसका असर न सिर्फ यूक्रेन, बल्कि पूरे यूरोप की स्थिरता पर पड़ेगा। यूरोपीय सहयोग की अपील जेलेंस्की की अपील यूरोपीय नेताओं को स्पष्ट संदेश है कि अगर यूक्रेन को आधुनिक वायु रक्षा प्रणाली नहीं मिली, तो आने वाले समय में पूरे महाद्वीप को असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है।

'चार्ली की मौत का जश्न मनाने वालों का रद्द करेंगे वीजा, निर्वासन के लिए तैयार रहें', रूबियो की चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ऐसे विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द किए जा रहे हैं, जो दक्षिणपंथी टिप्पणीकार चार्ली किर्क की हत्या पर जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन विदेशियों को अपने देश में नहीं रखेगा जो हमारे नागरिकों की मौत का जश्न मनाते हैं। फॉक्स न्यूज से बातचीत में रूबियो ने कहा कि अमेरिका को ऐसे लोगों को देश में घुसने या रहने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए, जो इस तरह की हत्याओं का समर्थन करते हैं या उनका जश्न मनाते हैं। उन्होंने कहा, हमें ऐसे लोगों को वीजा नहीं देना चाहिए जो अमेरिका आकर किसी राजनीतिक व्यक्ति की हत्या, फांसी या हत्या जैसी घटनाओं का जश्न मनाएं और अगर वो पहले से यहां हैं, तो उनका वीजा रद्द कर देना चाहिए। रूबियो ने एक्स पर अपने बयान का वीडियो साझा किया और लिखा, जो लोग हमारे नागरिकों की मौत

का जश्न मना रहे हैं, उन्हें अमेरिका में जगह नहीं मिलेगी। वीजा रद्द किए जा रहे हैं। अगर आप वीजा पर यहां हैं और किसी राजनीतिक व्यक्ति की सार्वजनिक हत्या पर खुश हो रहे हैं, तो निर्वासन के लिए तैयार हो जाइए। इस देश में आपका स्वागत नहीं है। अमेरिकी सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने भी कहा कि ऐसे लोगों के वीजा रद्द किए जाने चाहिए जो अमेरिकी नागरिकों की हत्या को महिमामंडित करते हैं। इससे पहले, अमेरिका के उप विदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडाउ ने भी एक्स पर लिखा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि जो विदेशी नागरिक हिंसा और नफरत को बढ़ावा देते हैं, वे हमारे देश में स्वागत योग्य नहीं हैं। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों को इस घटना का समर्थन करते, उसका मजाक उड़ाते या उसे उचित ठहराते देख कर मुझे नफरत हो रही है।

अस्पताल प्रबंधक पर कई महिला कर्मचारियों के साथ दुष्कर्म का आरोप

भाजपा ने टीएमसी पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पंसकुरा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के प्रबंधक पर कई महिला कर्मचारियों से दुष्कर्म और उन्हें धमकी देने का आरोप लगा है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़िताओं ने उसे सख्त सजा देने की मांग है। इस मामले को लेकर अस्पताल प्रशासन ने अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के एक सरकारी अस्पताल के प्रबंधक पर कई महिला कर्मचारियों के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। आरोप है कि अस्पताल के प्रबंधक ने उन्हें धमकी भी दी कि अगर वे किसी को बताएंगी तो वह उन्हें जान से मार देगा। घटना पंसकुरा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में हुई। शिकायतकताओं ने बताया कि अस्पताल प्रबंधक जाहिर अब्बास खान उन्हें अपने कार्यालय बुलाकर दुराचार करता था। अगर वे शिकायत करतीं, तो वह उन्हें मारने या नौकरी से निकालने

की धमकी देता था। अधिकारियों ने बताया कि मामला तब सामने आया जब एक महिला कर्मचारी ने उसके खिलाफ पंसकुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद खान को गिरफ्तार कर लिया गया और आज उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। आधिकारियों के मुताबिक, पीड़ितों ने आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। अस्पताल प्रशासन ने अभी तक इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया है। स्थानीय लोगों ने थाना के बाहर इस घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाते हुए कहा कि खान का राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर प्रभाव था। निजी लाभ के लिए पार्टी के नाम का इस्तेमाल कर रहा था आरोपीः टीएमसी वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि उनका आरोपी से कोई लेना-देना नहीं है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।